सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 322 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 04 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सरकार ने बदली ईद-ए-मिलाद की छुट्टी, 6 सितंबर की जगह 5 सितंबर को सामान्य अवकाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने ईद-ए-मिलाद के अवकाश की तिथि में परिवर्तन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर जानकारी दी है। दरअसल पूर्व में सरकारी कैलेंडर में ईद-ए-मिलाद का अवकाश 6 सितंबर को घोषित किया गया था जिसे बदलकर 5 सितंबर किया गया है।

समान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश की सूची में ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) हेतु दिनांक-06 सितम्बर 2025, दिन-शनिवार को अवकाश घोषित है। राज्य शासन एतद्वारा दिनांक-06/09/2025, दिन-शनिवार को घोषित सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश को निरस्त करते हुए, दिनांक-05/09/2025, दिन-शुक्रवार को ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) के लिए सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित करता है। 06/09/2025 को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर घोषित ऐच्छिक अवकाश यथावत रहेगा।

नेहरू नगर अंडरब्रिज के पास झाड़ियों में मिली लाश, हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई। भिलाई नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेहरू नगर अंडरब्रिज से लगे नाले व झाड़ियों के बीच लाश मिलने से हड़कंप मच गया। गुरुवार की सुबह लगभग 8:30 बजे लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी व डायल 112 की टीम पहुंची। आशंका है कि युवक की हत्या कर शव को ठिकाने लगाया गया है। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है।

मृतक के कपड़ों की जांच करने पर पुलिस को एक पर्स मिला और एक की पैड मोबाइल। पर्स में कुछ कैश, कैटरिंग के कार्ड व आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान सुरजीत रॉय के रूप में हुई है जोकि कोलकाता का रहने वाला था। वहीं मोबाइल फोन में दर्ज नंबर पर कॉल करने पर पुलिस को यह जानकारी मिली कि मृतक कैटरिंग का काम करता है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क साध रही है। मृतक वहां कैसे पहुंचा, उसकी हत्या हुई या किसी साजिश का शिकार हुआ इन पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

बलरामपुर बांध हादसा : एक और लाश मिली

बलरामपुर। बलरामपुर में लगातार बारिश से लुत्ती में पुराना बांध बह गया। बांध के बहने से निचले इलाके के चार घर के 7 लोग बह गए। इनमें 5 लोगों के शव बरामद हो गए हैं। 6 साल के कार्तिक सिंह की लाश आज मिली है। इससे पहले 4 की डेडबॉडी मिल गई थी। बाढ़ में बहे 2 अन्य लोगों का पता नहीं चल सका है। तलाश जारी है। बता दें कि छत्तीसगढ़ के सूरजपुर, बलरामपुर जिले में आज भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

जीएसटी काउंसिल का फैसला : देश में अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब- 5 और 18 फीसदी

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा- पीएम मोदी के नेतृत्व में जीएसटी सुधारों की नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली/रायपुर। जीएसटी काउंसिल ने अप्रत्यक्ष करों की दरों में ऐतिहासिक सुधार करते हुए चार की जगह अब सिर्फदो जीएसटी स्लैब को मंजूरी दे दी। काउंसिल में सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों ने आम सहमति से जीएसटी की सिर्फदो दरों, 5 और 18 फीसदी को मंजूरी दी। पनीर, छेना, टेट्रापैक दूध, रोटी, चपाती परांठा, खाकरा जैसी आम लोगों से जुड़ी खाद्य वस्तुओं, दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाओं पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पॉलिसियों को भी करों से छूट दे दी गई है। इसकी लंबे अरसे से मांग उठ रही थी। वहीं, फास्ट फूड, धनाढ्य वर्ग के उपभोग में आने वाली लग्जरी कारों समेत शराब, तंबाकू जैसी चुनिंदा विलासिता की एवं जीवन के लिए हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी का विशेष कर स्लैब बनाया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। इस फैसले से 175 से अधिक वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। वर्तमान में जीएसटी की चार दरें 5, 12, 18 और 28 फीसदी लागू हैं। काउंसिल की बुधवार को हुई करीब साढ़े दस घंटे की बैठक के बाद सीतारमण ने बताया कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगने वाले हर कर की कड़ी समीक्षा की और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी हुई है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी इससे लाभ होगा। दरों का यह सरलीकरण अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार पहल का हिस्सा है। आयातित वस्तुओं पर आईजीएसटी अधिसूचित दरों के अनुसार लगेगा। अलग से छूट के मामलों पर लागू नहीं होगा। यह सिर्फ चुनिंदा वस्तुओं पर लागू है। इनमें अवगुण वाले सामान और विलासिता वस्तुएं शामिल हैं। इन पर जीएसटी के अलावा क्षतिपूर्ति उपकर भी लगता था, जिसे अब जीएसटी में मिला दिया गया है।

वित्त मंत्री चौधरी ने दी अहम राय, बोले- सुधार आमजन व व्यापारियों के लिए लाभकारी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक आयोजित हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सक्रिय रूप से भागीदारी की।

वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि बैठक में जीएसटी प्रणाली में सुधार से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सुधार आम नागरिकों को सहूलियत देंगे, व्यापार जगत को गति प्रदान करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जीएसटी सुधार केवल कर संरचना का सरलीकरण नहीं है, बल्कि यह इज ऑफ डूइंग बिज़नेस को मजबूत करने और राज्यों तथा देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने का भी माध्यम है।

उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में व्यापक सुधारों का आह्वान किया था। आज आयोजित यह बैठक उस संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और ठोस कदम साबित हुई है। बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री आदि उपस्थित रहे।

यह निर्णय भारत की कर प्रणाली को आमजन के लिए अधिक सरल और व्यापार के लिए प्रोत्साहनकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों का स्वागत करते हुए कहा है कि यह निर्णय भारत की कर प्रणाली को आमजन के लिए अधिक सरल और उद्योग-व्यापार के लिए प्रोत्साहनकारी बनाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आयकर में 12 लाख तक की छूट देने के बाद अब जीएसटी दरों में की गई भारी कटौती से रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं, खेती-किसानी के उपकरण, खाने-पीने की चीज़ें, दवाइयां, शिक्षा सामग्री, मनोरंजन की वस्तुएं, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सस्ते हो गए हैं। कई आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स दर शून्य कर दी गई है, जिससे नागरिकों के जीवन में सीधा लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि पर्व से लागू होने वाला यह प्रावधान प्रधानमंत्री जी की Ease of Doing Business और Ease of Living की संकल्पना को साकार करेगा। इससे उद्योग-व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करता हूँ। यह निर्णय आम आदमी के जीवन को सरल बनाने और देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था की नई ऊँचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हर्बल प्रोडक्ट से वजन घटाने की सलाह देना 4 शिक्षकों को पड़ा भारी, एक निलंबित, तीन पर भी गिरेजी गाज

■ **जिला कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हर्बल लाइफ प्रोडक्ट के जरिए वजन घटाने और सेहत बनाने की सलाह देना चार शिक्षकों को महंगा पड़ा गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह के आदेश पर लाइफ प्रोडक्ट का प्रचार-प्रसार करने वाले चार शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। महिला शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। दो शिक्षकों पर कार्रवाई के लिए डीईओ ने संयुक्त संचालक से पत्र भेजा है। व्याख्याता पर कार्रवाई के लिए डीपीआई को पत्र लिखा गया है।

डीईओ अरविंद मिश्रा ने बताया कि चारों शिक्षक अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फिट रहने के फॉर्मूला का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। शिक्षक हर्बल लाइफ के उत्पादों का उपयोग करके वजन घटाने, सेहत बनाने और उसकी सदस्यता लेने के काम में जुटे हुए थे। ऑनलाइन सेशन लेने की भी सलाह दे रहे थे। इसकी शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने मामले की जांच के आदेश दिए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी धमधा ने जांच के दौरान फुंडा स्कूल की खिलेश्वरी चतुर्वेदी की सोशल मीडिया साइट की जांच की। उनके प्रतिवेदन के आधार पर शिक्षिका खिलेश्वरी चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

निलंबन के दौरान शासकीय नियमानुसार निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इसी प्रकार दनिया स्कूल के शिक्षक मुकेश चतुर्वेदी और संकुल केंद्र बोरी के सीएसी बलदाऊ पटेल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए संयुक्त संचालक को पत्र भेजा है। मामले में लिप्त घोटवानी स्कूल के व्याख्याता लोमन वर्मा पर कार्रवाई के लिए डीपीआई को पत्र लिखा गया है।

जीएसटी सुधारों के एलान के बाद शेयर बाजार गुलजार सेंसेक्स ने लगाई लंबी छलांग, निफ्टी में भी तेजी

■ **3 सितंबर की देर रात जीएसटी पर की गई घोषणाएं**

मुंबई (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बीते दिन यानी 3 सितंबर की देर रात वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर की गई घोषणाओं से गुरुवार को बेंचमार्क शेयर बाजार सूचकांकों में जबरदस्त उछाल आया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 888.96 अंक उछलकर 81,456.67 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 265.7 अंक बढ़कर 24,980.75 पर आ गया। ऐसे ही शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे बढ़कर 87.85 पर खुला।

जियोजित इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा कि ऐतिहासिक जीएसटी सुधार उम्मीद से बेहतर रहा है। इससे कई क्षेत्रों को लाभ हुआ है।

सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक 7.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट भी फायदे में रहे। हालांकि, इटरनल, टाटा स्टील, एनटीपीसी और एचसीएल टेक पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,666.46 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,495.33 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पहले बीते दिन यानी बुधवार को सेंसेक्स 409.83 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 80,567.71 पर और निफ्टी 135.45 अंक या 0.55 प्रतिशत चढ़कर 24,715.05 पर बंद हुआ था।

भिलाई में केटरर्स के बेटे ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

■ **मारपीट के मामले में थाने से हुई थी कार्रवाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर 5 में बालाजी केटरर्स के संचालक के बेटे ने अपने निवास से लगे गोदाम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक एस भार्गव राव पिता एस शेखर (17 वर्ष) क्रास स्ट्रीट 4 सेक्टर 5 का रहने वाला है। आज उसकी लाश घर से लगे केटरिंग गोदाम में फांसी के फंदे पर लटकती मिली। मृतक के

खिलाफ कल ही भिलाई नगर पुलिस ने मारपीट के मामले पर कार्रवाई किया था। मौके से पुलिस को एक सुसाइडल नोट मिलने की बात भी सामने आ रही है। फिलहाल मर्ग कायम कर पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि बीते 2 सितंबर को एस भार्गव राव ने विवाद के चलते एक व्यक्ति का सिर फोड़ दिया था। शिकायत करने पर पुलिस ने 3 सितंबर को एस भार्गव के खिलाफ कार्रवाई किया। आज सुबह उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकती मिली है। मौका मुआयना के दौरान मृतक के पास से एक सुसाइडल नोट मिलने की बात सामने आ रही है। चर्चा है कि सुसाइडल नोट में किसी लड़की का जिक्र होने के साथ ही आनलाइन गेमिंग में लेनदेन की बात भी है। फिलहाल भिलाई नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया जाता है कि मृतक एस भार्गव राव को सेक्टर 5 में रहने वाले एस शेखर ने गोद लिया था। एस शेखर का बालाजी केटरर्स के नाम से केटरिंग का व्यवसाय है। अपने बीएसपी आवास के पास में ही एस शेखर ने अपने व्यवसायिक उपयोग के लिए गोदाम बना रखा है। इसी गोदाम में एस भार्गव राव ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

ट्रेन में सर्विस रिवाल्वर और कारतूस चोरी आईटीबीपी अफसर और जवानों में हड़कंप

बिलासपुर। हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के एएसआई और हेड कॉन्स्टेबल का पिट्ठू बैग चोरी हो गया। जानकारी के मुताबिक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस रांची 40वीं बटालियन में एएसआई योगेन्द्र प्रसाद ओझा, प्रधान आरक्षक टेलीकाम जितेन्द्र सिंह और आरक्षक बुद्धदेव मलिक पदस्थ हैं। तीनों हटिया स्टेशन से हटिया-दुर्ग ट्रेन से दुर्ग के लिए रवाना हुए। रिजर्वेशन नहीं होने की वजह से तीनों जनरल कोच से सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान एएसआई व प्रधान आरक्षक पिट्ठू बैग में अपना सर्विस पिस्टल, चार मैग्जीन, 24 जिंदा कारतूस, एक मोबाइल व 10 हजार रुपए नकद रख हुए थे।यात्रा के दौरान जवानों की रात 3 बजे चांपा स्टेशन पर आंख लग गई। सुबह 5.50 बजे भाटापारा स्टेशन पर उनकी नींद खुली तो बैग गायब था।

पांच छोटी चिड़िया चला रही थी कार

श्रीकंचनपथ

पांच छोटी चिड़िया चला रही थी कार, एक उड़ गई फुर्र से, बाकी रह गई चार। यह उलटी गिनती सिखाने का एक नायाब तरीका है। इसकी इजाद एक शासकीय प्रायमरी स्कूल की टीचर ने की है। इस टीचर ने न केवल पढ़ाने के नायाब तरीके ईजाद किये बल्कि स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने, मोहल्ले को शिक्षा के वैकल्पिक केन्द्र के रूप में विकसित करने के भी प्रयास किये। जी हां! हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश के जिला दमोह की प्रायमरी टीचर शीला पटेल की। उनका चयन नेशनल टीचर्स अवार्ड के लिये किया गया है। दमोह के पथरिया विकासखंड में नियुक्त इस टीचर ने कई उपाय किये हैं जो अपने कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा, जिजीविषा और समर्पण को दर्शाते हैं। उनके प्रयासों से अब निजी स्कूलों में दाखिल बच्चे भी वहां से नाम कटवाकर सरकारी स्कूल को लौट रहे हैं। जब शीला को इस स्कूल में नियुक्त किया गया तो बमुश्किल 6-7 बच्चे ही स्कूल आते थे। अधिकांश बच्चे मजदूर परिवारों से थे। फिर क्या था। शीला अपनी स्कूटी लेकर उन बच्चों के घर पहुंच गई जिन्होंने प्रवेश तो लिया था पर स्कूल नहीं आ रहे थे। वे बच्चों को अपनी स्कूटी पर बैठाकर स्कूल लाने लगीं। गरीब, मजदूरों के घर जब कोई शिक्षक गाड़ी से जाता है तो उन्हें अच्छा लगता है। उन्हें लगता है कि कोई तो उनके बच्चों की चिंता कर रहा है। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा। इस बीच स्कूल में भी काफी कुछ बदल डाला। यहां बच्चों का प्रतिदिन स्वागत किया जाने लगा। स्वागत करने का तरीका भी खुद बच्चे ही तय करते। बच्चों को मजा आने लगा तो वे खुद-ब-खुद स्कूल पहुंचने लगे। ऐसे शिक्षक देश भर में बिखरे हुए हैं। ये सभी अपने-अपने क्षेत्र में नवोन्मेष कर रहे हैं। अपने सीमित साधनों से शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ शाला प्रवेशी बच्चों की संख्या बढ़ाने में लगे हुए हैं। इन शिक्षकों के बारे में सरकार को बाजरिया अखबारों के पता भी चलता है। सरकार का काम कुछ आसान हो जाता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर ऐसे शिक्षकों को राज्य या केन्द्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाता है। इसके आगे इनकी भूमिका समाप्त हो जाती है। शिक्षा नीति बनाने में किसी भी स्तर पर इनकी कोई भूमिका सुनिश्चित नहीं हो पाती। वहां ऐसे लोग बैठे हैं जो देश विदेश में चल रहे एजुकेशन पैटर्न पर रिसर्च करते हैं और फिर अपनी बड़ी-बड़ी राय देते हैं। नई नीतियां बनती हैं और निचले स्तर पर इस परिवर्तन से अनजान शिक्षक उनसे जूझ रहे होते हैं। यह हाल फिलहाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भी है। जिनपर इन नीतियों को लागू करने की जिम्मेदारी है, वो अभी भी इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। पिछली शिक्षा नीति को बदलने में 34 साल लग गए थे। पर अब भी बदला ज्यादा कुछ नहीं है। फिलहाल तो उम्मीद पर दुनिया कायम है।

संपादकीय

देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी

दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है। ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है।

गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है। अलबत्ता, शहरीकरण के बढ़े जोर के बावजूद नीति आयोग का अनुमान है कि 2045 में भी यह आंकड़ा 50 फीसद से ऊपर ही रहेगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023-24 में बताया गया है कि ग्रामीण रोजगार मुख्य रूप से 53.5 फीसद स्वरोजगार और 25.6 फीसद आकस्मिक श्रम पर टिका है। ग्रामीण श्रमिकों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा (58.4%) कृषि में लगा हुआ है, जो आम तौर पर मौसमी रोजगार ही प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियां कुल कार्यबल का महज 12 फीसद है।

ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का सबसे बड़ा आधार वहां के लोगों के आय विकल्पों में सुधार है। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में देश काफी आगे बढ़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार का 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने का तथ्य तो संयुक्त राष्ट्र तक में गूंज चुका है। इस आंकड़े का सबसे चमकदार पक्ष बिहार और यूपी जैसे वे राज्य हैं, जहां की आबादी का बड़ा हिस्सा गांव-कस्बों में रहता है। ये वही राज्य हैं जो बीमारू के नाम पर लंबे दौर तक गांवों के पिछड़ेपन के कारण कोसे जाते रहे हैं। बीते दशक में गरीबी उन्मूलन इन्हीं सूबों में सर्वाधिक हुआ है। देश के ग्रामीण अंचल में आर्थिक सुधार और जागरूकता की एक बड़ी शुरु आत 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना से हुई। इसके तहत अब तक देश में कुल 55.44 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 56 फीसद खाते महिलाओं के हैं। 21 मई, 2025 तक इन खातों में कुल जमा राशि 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। वित्तीय समावेशन की इस बड़ी पहल का नतीजा है कि खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में बचत और बीमा को लेकर तो जागरूकता आई ही है, वे वित्तीय लाभ के दूसरे विकल्पों को भी गंभीरता से आजमाने लगे हैं।

इन विकल्पों में सबसे दिलचस्प है शेयर बाजार की ओर उन्मुखता। कोरोना महामारी से पहले डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की संख्या पांच करोड़ थी, जो अब लगभग 13 करोड़ पर पहुंच चुकी है। बेशक, इसमें बड़ी भागीदारी शहरी खाताधारकों की है, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार का आकार इस ओर बढ़ रहे ग्रामीणों के रुझान को इंगित करता है। आत्मनिर्भर भारत के लिए सक्षम और समृद्ध गांव जरूरी है। इस दिशा में अपने प्रयास को बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब डाकघरों के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीदे जा सकेंगे। इसके लिए डाक विभाग और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के बीच एक समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है, जो 21 अगस्त, 2028 तक लागू रहेगा। आगे स्थिति की समीक्षा के साथ इसका नवीकरण होता रहेगा। इससे खास तौर पर देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग म्यूचुअल फंड के इकोसिस्टम से जुड़ सकेंगे।

समझौते के तहत डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड वितरकों के रूप में कार्य करेंगे। सरकार का यह कदम अपनी रूपरेखा और संकल्पना में कितना सुविचारित और विस्तृत है, यह इस बात से समझा जा सकता है कि पंचायतीराज मंत्रालय ने ग्रामीणों को सुरक्षित और लाभकारी निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए सेबी के साथ अभियान की चरणवार रूपरेखा बनाई है। अभियान के तहत सबसे पहले छह राज्यों में 3,874 मास्टर ट्रेनर का एक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। पायलट राज्यों और मास्टर ट्रेनर नेटवर्क से शुरू होकर यह कार्यक्रम धीरे-धीरे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंचाने की योजना है। दिलचस्प है कि इस दौरान देश में स्टॉक और फंड मार्केट में हिस्सेदारी को लेकर नया रु झान सामने आया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पांच वर्षो में डीमैट खाताधारकों की संख्या के अध्ययन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा 186 लाख इक्विटी निवेशक महाराष्ट्र में हैं, जबकि दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां 130 करोड़ ऐसे निवेशक हैं, जो इक्विटी में पैसा लगाते हैं। वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में 2025 में महाराष्ट्र ने 212.4 फीसद वृद्धि दर्ज कराई है, वहीं उत्तर प्रदेश ने 470.5 फीसद की छलांग लगाई है।

वैसे जिस सूबे ने अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाया है, वह है बिहार। वहां वित्तीय वर्ष 2020 में महज सात लाख बाजार निवेशक थे पर अब यह आंकड़ा 52 लाख को पार कर गया है यानी 678.8 फीसद की उच्चतम वृद्धि। बिहार में इस बदलाव के नायक निस्संदेह नीतीश कुमार हैं। दिलचस्प है कि इस परिवर्तन का एक बड़ा पक्ष महिलाओं से जुड़ा है। आज की तारीख में बिहार में 6,389 जीविका बैंक सखियां ग्रामीणों को बैंक से जुड़े कार्य उनके द्वार पर ही उपलब्ध करा रही हैं। अब जब डाकघर के जरिए तमाम बचत और बीमा सुविधाओं के साथ म्यूचुअल फंड की बिक्री शुरू होगी तो निश्चित रूप से वित्तीय समावेशन का नया दौर शुरू होगा।

'एचआईवी' मरीजों की सुविधा रोकना, अमानवीय?

डॉ. रमेश ठाकुर

डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उंटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है।

'दक्षिण अफ्रीका' ऐसा मुल्क है जहां 'एचआईवी' मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। मोटे तौर पर तकरीबन ढ़ाई लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। दक्षिण अफ्रीका के सामने एचआईवी पर नियंत्रण के लिए मात्र जरिया 'मुफ्त अमेरिकी चिकित्सा सुविधा' मानी जाती रही है? जिसे पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बंद करके का ऐलान कर दिया गया। बंदी के निर्णय के कुछ घंटों बाद ही सुविधाएं भी रोक दी गईं। इससे निश्चित रूप से एचआईवी संक्रमितों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी होगी? होगी क्या, हो ही गई? सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी संक्रमितों के लिए अमेरिका की मुफ्त चिकित्सा सुविधा वर्षों से जारी थीं। सुविधा बंद करके अमेरिका ने अमानवीय चेहरे से परिचय कराकर दुनिया में थू-थू भी करा ली है। अमेरिकी राष्ट्रपति को कोई ये बात समझाए कि इंसानी जीवन से बढ़कर कोई दौलत, कोई शौहरत नहीं होती? किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को मरीजों के जीवन से साथ ऐसा खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। जीवन बचाने के लिए नफे-नुकासान की परवाह तो कतई नहीं करनी चाहिए।

चिकित्सा सहायता रूकने से एक साथ 2 लाख 22 हजार एड्स संक्रमितों के जीवन को नर्क में धकेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप विभिन्न देशों पर अनाप-शनाप टैरिफ लगाना, बिलावजह की वंदिशें और कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने जैसे उंटपटांग निर्णयों को लेकर पहले से दुनिया के निशाने पर हैं। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी पीड़ितों को मुफ्त एचआईवी सेवाएं बंद करके सोचने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप के निर्णयों ने पूरी दुनिया में वैसे ही उथलपुथल मचाई हुई है। इस कड़ी में उन्होंने अफ्रीका के लाखों मरीजों का भी जीवन संकट में डाल दिया है। दक्षिण अफ्रीका सरकार भी हैरान है कि आखिर अमेरिका ने ऐसा अमानवीय कदम उठाया क्यों? ट्रंप के फैसले के बाद मरीज एचआईवी सुविधा केंद्रों पर दौड़े, लेकिन बिना दवाईयों के उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में एड्स पीड़ितों का अधिकृत आंकड़ा जितना है उससे कहीं ज्यादा अनाधिकृत है। मुफ्त सुविधाएं रूकने के बाद गुप्त मरीजों की संख्याओं को देखकर सरकार भी हैरत में है।

मुफ्त सुविधाएं क्यों रोकी गईं? इस गणित को समझना भी जरूर है। दरअसल, एचआईवी दवाओं की लागत दवा के प्रकार, भौगोलिक स्थिति और दवा कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के आधार पर भिन्न होती हैं। खरीद में एचआईवी की दवाईयां काफी महंगी पड़ती हैं। कीमतें विभिन्न देशों में अलग-अलग रहती हैं। जगहों के आधार पर दवाइयों में बदलाव भी होता है। भारत में, एचआईवी के लिए 'एंटीरेट्रवाइल थेरेपी' और 'एपरेटयूड इनजेक्शन' के अलावा 'ग्लाइड' इस्तेमाल की जाती है जिसके प्रत्येक बॉक्स की कीमत 23 हजार और 15 हजार होती है। बाकी अन्य देश 'टेनोफोविर', 'लेमिवाउडिन', 'डोल्यूटेग्राविर' भी प्रयोग करते हैं। इसके अलावा एचआईवी संक्रमित पर 'न्यूक्लियोसाइड रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस इनहिबिटर प्रोटीएस भी उपयोग होते हैं। ये सभी दवाइयां निजी स्तर पर महंगी होती हैं। बिना सरकारी सहायता के कोई आसानी से नहीं खरीद सकता। ज्यादातर देश अपने मरीजों को सब्सिडी देकर कम दामों में मुहैया करवाते हैं। भारत में भी ये दवाईयां बिल्कुल फ्री नहीं हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर अमेरिका ने यह फैसला लिया।

दक्षिण अफ्रीका में मुफ्त दवाई वितरण में अमेरिका को सालाना करोड़ों रूपए का नुकसान हो रहा था। अमेरिका सालों से अफ्रीकी लोगों को एचआईवी ग्रस्तों को मुफ्त चिकित्सा मुहैया करवाता आया था। पर, अब उसे घाटे का सौदा दिखने लगा? इसलिए मरीजों की जान की परवाह किए बिना ये गैरजरूरी निर्णय ले लिया। जबकि, उसे पता है कि एचआईवी पीड़ितों की सर्वाधिक संख्या इस समय दक्षिण अफ्रीका में है। अमेरिका शुरू से कहता आया था कि अफ्रीकी लोग संसार के दूसरे देशों में पहुंचते हैं तो वहां भी संक्रमण फैलाते हैं। ऐसा न हो, उसके लिए वह अपने स्तर से वहां फैले एचआईवी को नितंत्रण करने के लिए पीड़ितों का ईलाज करते थे। लेकिन, विगत सप्ताह अचानक नि:शुल्क चिकित्सा सहायता पर विराम लगा दिया। जबकि, इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि ऐसा करने से एचआईवी संक्रमितों के जीवन पर बात बन आई है। एड्स के डर से मर-मर कर अपना जीवन जीने वाले मरीज इस सदमे कैसे बर्दाश्त कर पाएंगे। अमेरिका की इस हरकत ने मानवीय पहलूओं का भी अनादर किया है। बंदी के निर्णय के बाद मरीज लगातार क्लीनिकों की ओर दौड़ रहे हैं, भगदड़ जैसी स्थिति बनीं हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि अमेरिका ने निर्णय अचानक लिया, अफ्रीकी सरकार को सूचित भी नहीं किया। 16 क्लीनिकों में 12 क्लीनिक बंद कर दिए जिनमें 63,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। शेष बचे 4 क्लीनिकों में भी जीवनरक्षक दवाईयां पहुंचनी बंद हो गईं हैं। इस बात का वैश्विक स्तर पर जमकर विरोध भी हो रहा है। अमेरिका पर पुर्नविचार की मांग उठ रही है। इतना तय है, अगर मदद जल्द बहाल नहीं हुई, तो न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका में लाखों एचआइवी पीड़ितों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि हजारों मौतें भी होनी आरंभ हो जाएंगी। 'गिलियड' एचआईवी पर नियंत्रण करने वाली प्रमुख दवाई मानी जाती है। गिलियड फार्मा कंपनी ने पिछले अक्टूबर-2024 में विश्व की 6 प्रमुख फार्मा कंपनियों के साथ समझौता किया था ताकि गरीब 120 देशों में ये दवा कम कीमत पर उपलब्ध हो। लेकिन कम कीमत के नाम पर ज्यादातर फार्मा कंपनियों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए।

बहरहाल, संक्रमितों के बचे-खुचे जीवन को बचाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा। रोकी गई सुविधाओं की भरपाई का विकल्प खोजना होगा। सुखद खबर ये है कि फिलहाल, अमेरिका ने कुछ आवश्यक जीवनरक्षक सेवाओं को सीमित स्तर पर शुरू करने का आश्वासन दिया है। लेकिन संकट फिर भी बरकरार है, टला नहीं? क्योंकि अमेरिकी हुकूमत पर फिलहाल विश्वास नहीं किया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने भारत जैसे अन्य देशों से भी मदद की गुहार लगाई है। पर, इस सच्चाई से सभी वाकिफ हैं कि एचआईवी निरोधक दवाइयों पर जो सफलता अमेरिका ने पाई है, वैसी किसी दूसरे देश ने नहीं? उनके पास इकाइयों का अच्छा बैकअप है। अफ्रीका को फ्री में शायद ही कोई देश दवाई देने पर राजी हो? इसलिए अफ्रीकी सरकार को अपने बजट में इजाफा कर एचआईवी पीड़ितों के लिए धन आवंटित करना चाहिए, ताकि विदेशों से दवाईयां खरीदी जा सकें। एचआईवी संक्रमण न फैले, इसके लिए जागरूकता अभियान भी छेड़े जाने की जरूरत है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी, केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

भारतीय सभ्यता में अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबीसे पहलेपरीक्षाहोती है। समुद्र मंथन, जहांमंथने की प्रकिया से अमृत निकला था,इसी तरहहमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआऔर आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरागौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दरपिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है-सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशतबढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोई मनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है।यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतरसार्वजनिक पूंजीगत व्यय वपूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजोंका सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशः अमेरिका और चीनसे भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है।स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्यरखा है —सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की "सॉवरेन रेटिंग" को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबीसे बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जल और प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा,क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं किहम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रहीहै। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हैऔर इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियनटन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है।

भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारालक्ष्य2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो)क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी)पारदर्शी वप्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं,बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गईहै और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज्यादा संपीडित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुलहुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेजुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया।यह जी7/ईयूमूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैंऔर भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान(शिपिंग)एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं।हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत रूस के तेल के लिए एक लॉड्रोमैट बन गया है। इससे अधिक निराधार बात और कुछ नहीं हो सकती। भारत इस संघर्ष से काफी पहले दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक रहा है और हमारे रिफाइनर विश्व भर से इस प्रकार के क्रूड का एक समूह बनाते हैं।निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं को सक्रिय रखता है। वास्तव में, रूस के कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद यूरोप ने भी भारतीय ईंधनों की ओर रुख किया। निर्यात की मात्रा और रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) मोटे तौर पर समान ही हैं।मुनाफे लेने का इसमें का कोई सवाल ही नहीं है।

यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कीमतों में उछाल आने पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए, निर्णायक रूप से कदम उठाए। तेल से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर तक के नुकसान को सहन किया।सरकार ने केन्द्रीय और राज्य के करों में कटौती कीऔर निर्यात से जुड़े नियमों ने यह अनिवार्य किया कि विदेशों में पेट्रोल और डीजल बेचने वाले रिफाइनर को घरेलू बाजार में कम से कम 50 प्रतिशत पेट्रोल और 30 प्रतिशतडीजल बेचना होगा। इन उपायों ने, काफी राजकोषीय लागत पर, यह सुनिश्चित किया कि एक भी खुदरा दुकान खाली न रहे और परिणामस्वरूप भारतीय घरों के लिए कीमतेंस्थिररहीं। बड़ा सच यह है किवैश्विक तेल का लगभग 10 प्रतिशत आपूर्ति करने वाले दुनिया के इस दूसरे सबसे बड़े उत्पादक का कोई विकल्प ही नहीं है। जो लोग उंगली उठा रहे हैं, वे इस तथ्य की अनदेखी करते हैं।वसुधैव कुटुम्बकम के अपने सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूपभारत द्वारा सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने से 200 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के विनाशकारी झटके को रोका गया।

यह वही मेड इन इंडिया है जो विश्व दृष्टिकोण के लिए भारत में आकार ले रही नई औद्योगिक क्रांति को आकार देता है। इस औद्योगिक क्रांति में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और विशेष रसायन शामिल हैं - जो उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों (पीएलआई)और पीएम गतिशक्ति लॉजिस्टिक्स के सहारे संचालित हैं। सेमीकंडक्टर के उत्पादन में तेजी अब एक नए स्तर पर पहुंच रही है - जो नीतिगत गंभीरता और क्रियान्वयन का प्रमाण है। मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार अतिरिक्त सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी हैऔर प्रधानमंत्री का जापान में एक सेमीकंडक्टर उत्पादन केन्द्र का हालिया दौराऔर जापान की निवेश संबंधी नवीनीकृत प्रतिबद्धताएं एक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित एक साझा रोडमैप को रेखांकित करती हैं।

डिजिटल अर्थव्यवस्था इन लाभों को कई गुना बढ़ा देती है। भारत वास्तविक समय में भुगतान के मामले में दुनिया भर में अग्रणी है। यूपीआई की सर्वव्यापकता छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाती हैऔर हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम नवाचार को सेवाओं एवं समाधानों के निर्यात में बदल रहा है। जब डिजिटल तेजीवास्तविक बुनियादी ढांचे के साथ मिलती है, तो प्रभाव बढ़ता है और परिणाम स्वरूप कम टकराव, सुव्यवस्थितऔर निवेश एवं उपभोग का एक बेहतर चक्र सुनिश्चित होता है। आगे का रास्ता आशाजनक है। स्वतंत्र अनुमानों (ईवाई) के अनुसार, 2038 तक भारत पीपीपी के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद 34 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। यह प्रगति सतत सुधारों, मानव पूंजी और प्रत्येक उद्यम व परिवार के लिए प्रचुर, स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा पर निर्भर है।

एक महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी भारत की क्षमता पर संदेह किया गया, इस देश ने हरित क्रांतियों, आईटी क्रांतियों और शिक्षा व उद्यम के जरिए लाखों लोगों के गौरवपूर्ण उत्थान के साथ उसका जवाब दिया। आज का समय भी इससे कुछ अलग नहीं है। हम अपने दृष्टिकोण पर टिके रहेंगे, अपने सुधारों को निरंतर जारी रखेंगेऔर अपने विकास को तीव्र, लोकतांत्रिक एवं समावेशी बनाए रखेंगेताकि लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच सके। आलोचकों के लिए, हमारी उपलब्धियां ही हमाराजवाबहोंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत महज एक आकांक्षा ही नहीं, बल्कि उपलब्धि का एक सार हैऔर विकास के ये आंकड़े उस व्यापक कहानी का ताजा अध्याय मात्र हैं।

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

डॉ. आशीष वशिष्ठ

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रुख यह है कि ट्रंप टैरिफभारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया।

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढ़ने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हैं। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर किसी समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफकी आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, 'अब पूरी दुनिया सिर्फभारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।'

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रुख यह है कि ट्रंप टैरिफभारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए, दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इससे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, 'पैसा किसका लगता है वो डॉलर है, पाउंड है, वो करेंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे।'

जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया। लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलते दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। अमेरिका सिर्फ व्यापार नहीं करना चाहता, वह एक ऐसा पार्टनर चाहता है जो उसके सहायक की भूमिका में हो। वह चाहता है कि भारत, रूस या दुनिया के बाकी देशों से व्यापार ही नहीं सामरिक संबंध भी उसकी मर्जी के हिसाब से तय करें। जाहिर है कि भारत, पाकिस्तान की तरह उसका पिछलग्गू नहीं बन सकता। ऐसे में अपने फैसले खुद लेने की आजादी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार रखने की सोचते समय स्वाधीनता संग्राम को याद करना और स्वदेशी का ध्यान आना स्वाभाविक ही है।

जानकारों के मुताबिक केंद्र सरकार को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ज्यादा से ज्यादा कदम उठाए जाने चाहिए। छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। कृषि उत्पादों में नयी तकनीक लगाकर किसान की मदद करके नए बाजारों तक पहुंचाएं। घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन दें। हमें शिक्षा और ग्रामीण विकास पर ध्यान देना होगा। भारत को कृषि क्षेत्र और कुटीर उद्योगों पर ध्यान देना चाहिए। अगर ग्रामीण स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा तो आयात कम होगा और रोजगार भी बढ़ेंगे। आत्मनिर्भरता केवल उद्योग से नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों के सही इस्तेमाल से संभव है।

यह अवसर है जब स्टार्टअप और एमएसएमई को नीतिगत समर्थन दिया जाए। अगर छोटे और मध्यम उद्योगों को सस्ता ऋण और तकनीकी मदद मिले, तो वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। यही भारत को नई आर्थिक ताकत देगा। यह समय है कि हम विदेशी आयात पर निर्भरता कम कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। सरकार को उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को सशक्त आधार मिले। यही विकास का स्थायी रास्ता होगा।

पीएम मोदी ने अमेरिका को साफसंदेश दे दिया है कि भारत किसी भी दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसी बीच जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर ऑलगेमाइन जिटुंग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत पर टैरिफलगाने के बाद ट्रंप ने पीएम मोदी को 4 बार कॉल किया, लेकिन उन्होंने रिसीव ही नहीं किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ट्रंप के टैरिफ से नाराज भारत सरकार अमेरिका से कोई आसान डील नहीं करना चाहती। हेंड्रिक अंकेनब्रांड, विनांड वॉन पीटर्सडॉफ, गुस्ताव थाइले ने लिखे अपने लेख में कहा कि यह भारत सरकार की बदली हुई नीति का उदाहरण है। अमेरिका से नाराज होकर भारत, चीन और रूस से अपने संबंध बेहतर करने में जुट चुका है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी जापान और चीन की यात्रा पर हैं।

कोरोना महामारी के दौरान जब वैश्विक सप्लाई चेन टूट गई थी, तब भी देश ने आत्मनिर्भरता का महत्व समझा। अब डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ कदमों ने भी भारत को यह सिखाया है कि हमें अपने उद्योगों, किसानों और तकनीक को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। आत्मनिर्भर बने बिना आर्थिक और तकनीकी आजादी असंभव है। आज भारत में बनी कारें और इलेक्ट्रॉनिक सामान दुनिया भर में छा रहे हैं। रक्षा से लेकर डिजिटल तकनीक तक, आत्मनिर्भरता का यह अभियान अब केवल नारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक रणनीति बन चुका है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता ने अहम भूमिका निभाई। स्वदेशी हथियारों और तकनीक की मदद से भारत ने तेजी और कुशलता से सफलता हासिल की। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर न होता, तो यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में

सभी प्रकार के विज्ञापन

के लिए

संपर्क करें

Mob.-:

9303289950

7987166110

खास खबर

कार्टूनिस्ट राव को अंतर्राष्ट्रीय विशेष पुरस्कार, 69 देशों के प्रतिभागियों के बीच बने विजेता

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट से रिटायर प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट बी.वी. पांडुरंगा राव के खाते में एक और अंतर्राष्ट्रीय विशेष पुरस्कार आया है। फेरिज़ाज, कोसोवो में 11 वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिता व महोत्सव में श्री राव के प्रेषित कार्टून 'ब्लैक डक्स' को मुक्त विषय श्रेणी में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्राप्त 69 देशों के 563 कलाकारों की कुल 2136 कृतियों में से उनका यह कार्टून चुना गया है। जिसे 10 चयनित विजेताओं में से एक घोषित किया गया है। वर्तमान में बेंगलुरु में रह रहे श्री राव को आयोजक संस्था ने आगामी 23-24 सितंबर को होने वाले महोत्सव और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए कोसोवो आमंत्रित किया है। जहां उनके कार्टून को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया जाएगा और उन्हें प्रमाण पत्र और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा चीन में 7वीं गोल्ड पांडा अंतर्राष्ट्रीय एवं चित्रण प्रतियोगिता में भी श्री राव का कार्टून प्रदर्शनी और मुद्रण के लिए चयनित कार्टूनों की विजेता सूची में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि पांडुरंगा राव पिछले 29 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं और उनके कार्यों को कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। वहीं उनके कार्टून 40 से अधिक देशों में प्रदर्शित किए जा चुके है। श्री राव ने अपनी यह उपलब्धि भिलाई वासियों को समर्पित करते हुए कहा है कि भिलाई स्टील प्लांट की सेवा के दौरान ही उनकी कार्टून कला को प्रोत्साहन मिला। इस वजह से ही वह आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे पा रहे हैं।

बुजुर्गों को बना कर दिए वय वंदना आयुष्मान कार्ड

भिलाई। प्रधानमंत्री वय वंदना आयुष्मान कार्ड बनाने स्वास्थ्य विभाग ज़मीन स्तर पर सेवाएं देने पहुंचा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी के नेतृत्व में जिले का स्वास्थ्य महकमा 70+ आयु समूह वालों प्रधानमंत्री वय वंदना आयुष्मान कार्ड बनाकर दे रहा है। बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 के वार्ड 14 गांधीनगर ओर नेहरू नगर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव गलेड, जिला मलेरिया अधिकारी रश्मि गलेड, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया व जिला समन्वयक आयुष्मान भारत देवेश मिश्रा, बी ई ईटीओ अनिता नयन, चरोदा-भिलाई 3 के बी ईटीओ सैय्यद असलम और श्रीमती आर विश्वास ने कुल 24 वयोवृद्ध लोगों वय वंदना कार्ड बनाकर दिया। वयोवृद्ध लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के आला अफ्सरों को जमीन स्तर पर स्वयं उपस्थित होकर खुद कार्ड बनाकर देने की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि निश्चित रूप से हमारे लिए सौगात है। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव गलेड ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी जरूरी बातें बताई।

हेलमेट के प्रति चला जागरूकता अभियान महापौर ने सड़क पर उतरकर बांटे हेलमेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम जिला प्रशासन द्वारा लागू की गई नो-हेलमेट, नो-पेट्रोल नीति को लेकर मंगलवार को दुर्ग शहर में एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व महापौर अलका बाघमार ने स्वयं किया। महापौर अलका बाघमार ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, लीलाधर पाल एवं पार्षदों के साथ पटेल चौक पहुंचीं और वहां दोपहिया चालकों को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में समझाया।

पटेल चौक पर महापौर ने भावनात्मक अपील करते हुए कहा 'परिवार आपका इंतजार कर रहा है, हेलमेट जरूर पहनें। बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं का प्रशासन ने नियम लागू किया है। पुलिस के इस प्रयास का हम सभी मिलकर सख्ती से पालन करेंगे। इस अवसर पर पार्षद संजय अग्रवाल,साजन जोसफे, गोविंद्र देवांगन, हेमन्त मटियारा, सुरेश गुप्ता के अलावा दुर्ग थाना प्रभारी सहित अन्य मौजूद रहें।

जीवन की सुरक्षा की गारंटी है हेलमेट

महापौर अलका बाघमार ने स्वयं आम जनता से मुलाकात की और कहा कि हेलमेट केवल एक सुरक्षा उपकरण नहीं है, बल्कि यह उनके और उनके परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कई जरूरतमंद लोगों को हेलमेट भी बांटे और समझाया कि सड़क दुर्घटना के समय यह एक छोटी-सी ढाल कैसे बड़ी अनहोनी से बचा सकती है महापौर अलका बाघमार एवं जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका परिवार घर पर आपका इंतजार करता है। दुर्घटनाएं बताकर नहीं आतीं। छोटी सी लापरवाही किसी पूरे परिवार की खुशियों को छीन सकती है। जब भी घर से बाहर निकलें, हेलमेट जरूर पहनें। 'सिर्फदो मिनट के लिए जा रहा हूँ' कहकर बिना हेलमेट निकलना आपके और परिवार दोनों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

पेट्रोल पंपों पर लागू होगा सख्ती से नियम

जिला प्रशासन ने हाल ही में यह आदेश जारी किया है कि अब किसी भी पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के किसी भी दोपहिया चालक को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों से पूरी तरह सहयोग करने की अपील की है। इस संयुक्त पहल का उद्देश्य सिर्फ नियम लागू करना नहीं, बल्कि नागरिकों को यह संदेश देना है कि सड़क पर सुरक्षा से समझौता न करें। हेलमेट जीवन का बीमा है, जो दुर्घटना की स्थिति में परिवार को टूटने से बचा सकता है।

घर से घर तक-बार एवं रॉड मिल द्वारा अनूठी सुरक्षा पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) विभाग द्वारा संविदा श्रमिकों एवं उनके परिवारों को कार्यस्थल सुरक्षा यात्रा से जोड़ने के उद्देश्य से घर से घर तक नामक अनूठी सुरक्षा संवाद श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 30 अगस्त, 2025 को एचआरडीसी (एल एंड डी) भूतल सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बीआरएम के लगभग 100 ठेका श्रमिक अपने परिजनों सहित शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विभागाध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री रहे।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा सर्वोपरि है और इसमें परिवारजनों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने विभाग में पाई जाने वाली सामान्य लापरवाहियों जैसे पीपीई का उपयोग न करना, मोबाइल का प्रयोग करना, असुरक्षित क्रेन संचालन आदि की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि ऐसी लापरवाहियों से हुई दुर्घटनाओं को मिलकर रोकना होगा। उन्होंने यह विष्वास व्यक्त किया कि यदि हम सभी एकजुट होकर प्रयास करें तो 'शून्य दुर्घटना' का लक्ष्य अवश्य प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर महाप्रबंधक सच्चिदानंद त्रिपाठी, महाप्रबंधक शाष्वत मोहंती एवं महाप्रबंधक समीर पाण्डेय, महाप्रबंधक आशीष तथा महाप्रबंधक शिखर तिवारी ने भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने संयंत्र, घर तथा आवागमन के दौरान सुरक्षा अपनाने के महत्व पर बल दिया।

सहायक प्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी श्री शशांक शर्मा ने एक रोचक सुरक्षा प्रश्नोत्तरी का संचालन किया, जिसमें बच्चों और गृहिणियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान करवाई गई और उनसे बचाव के उपाय समझाए गए। प्रश्नोत्तरी में विजेता रही महिलाओं -ज्योति मिश्रा, श्रीमती रेणु, किरण, शीबा एवं श्रीमती अलीमा बेगम तथा बच्चों- ईशान, धैर्य, पल्लवी और आयन को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सहायक महाप्रबंधक सुनील कुमार सोनी ने किया। उन्होंने कार्यपालक निदेशक (संकार्य), एचआरडीसी (एल एंड डी) तथा कैंटीन सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक रात्रिभोज के साथ हुआ।

महापौर परिषद की बैठक: बिजली विभाग से टैक्स वसूली करेगा रिसाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम जल्द ही छ.ग. विद्युत वितरण कंपनी को टैक्स जमा करने डिमांड जारी करेगा। निगम ने राजस्व बढ़ाने छ.ग. विद्युत वितरण कंपनी को अपने दायरे में लिया है। कंपनी द्वारा लगाए विद्युत खंबे और ट्रांसफार्मर वाले स्थान का कर निर्धारण किया जाएगा। उक्त निर्णय बुधवार को महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली परिषद ने निर्णय लिया है।

परिषद के सद्स्यों ने एक स्वर में कहा कि छ.ग. विद्युत वितरण कंपनी वर्तमान में नगर पालिक निगम रिसाली के क्षेत्राधिकार वाली भूमि का उपयोग घरों तक कनेक्शन देने, स्ट्रीट लाइट के अलावा ट्रांसफार्मर लगाने के लिए कर रही है। इसके लिए नियमत: निगम को कर लेना चाहिए। महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि निगम का आय बढ़ाने के लिए सबका सम्यक प्रयास होना चाहिए।

निगम के अधिकारी गंभीरता से सर्वे पश्चात कर निर्धारण कर कंपनी को डिमांड जारी करे। महापौर परिषद की बैठक में परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, संजू नेताम, रोहित धनकर, जमुना ठाकुर, ममता यादव, रंजीता बेनुआ, आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

भिलाई चेम्बर छात्र-छात्राओं को कर रहा जागरुक, स्वदेशी अपनाओ का दे रहें संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा युवाओं और विद्यार्थियों के लिए जिंदगी न मिलेगी दोबारा विषय पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जो शहर के स्कूलों व कालेजो में आयोजित किया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी को नई दिशा मिल सके।

इसी कड़ी में एमजीएम स्कूल सेक्टर 6 में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सबसे पहले स्कूल प्रबंधन ने चेम्बर के पदाधिकारियों का स्वागत किया। महेश बंसल, अतुल गर्ग, सुमन कनोजे, रितेश अग्रवाल, चिन्ना राव, रामाराव व अनेक चेम्बर के पदाधिकारी उपस्थित थे। बता दें भिलाई चेम्बर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम जिंदगी न मिलेगी दोबारा पिछले 8 वर्षों से निरंतर स्कूलों व कालेजो में आयोजित किया जा रहा है। मंच संचालन सुनील मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जागरूक करना, उनमें आत्मविश्वास जगाना और उन्हें जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से जीने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने अपने उदबोधन में संदेश दिया की सभी स्वदेशी अपनाये और आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

अजय भसीन ने कहा कि आज की पीढ़ी अगर अपने हुनर, ज्ञान और संकल्प के साथ स्वदेशी को अपनाएगी तो न केवल राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी बल्कि व्यक्तिगत सफ्लता के मार्ग भी खुलेंगे।कार्यक्रम में छात्रों को यह संदेश दिया गया कि जिंदगी न मिलेगी दोबारा इसलिए हर पल को सार्थक बनाना है, अपने सपनों को साकार करने के लिए कर्मपथ पर आगे बढ़ना है और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेना है। भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स निरंतर युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जागरूक करने हेतु ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायी आयोजनों की शृंखला आयोजित करता रहता है भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने कहा कि आज के समय में विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता छोड़कर अपने देश में बने उत्पादों का प्रयोग करना ही सही मायनों में राष्ट्र की सेवा है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन के मूल्यवान समय का सदुपयोग करने, सकारात्मक सोच रखने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साइबर जागरूकता के लिए भी अनेक टिप्स दिए।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत पोटिया में विशेष कार्यक्रम

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों का उन्मुखीकरण, आवास भ्रमण एवं eKYC-NPCI मैपिंग कैंप आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर ग्राम पंचायत पोटिया (मे.) स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हितग्राहियों का उन्मुखीकरण, निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का भ्रमण तथा मेगा eKYC एवं NPCI मैपिंग कैंप का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, जनपद अध्यक्ष लिमन साहू, जनपद सीईओ धमधा किरण कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने बताया कि दुर्ग जिला प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने हितग्राहियों को गुणवत्ता पूर्ण आवास निर्माण की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि सभी पात्र परिवारों को योजना का लाभ समय पर प्रदान किया जाएगा। वहीं, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा ने प्रधानमंत्री आवास योजना में उल्लेखनीय प्रगति के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। उन्होंने हितग्राहियों से कहा कि यदि किसी को योजना से संबंधित समस्या है तो वह जनपद स्तर पर जाकर उसका निराकरण करा सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और विकास कार्यों में सहभागिता की अपील भी की।

कार्यक्रम के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा निर्मित व निर्माणाधीन आवासों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिन हितग्राहियों के घरों का भ्रमण हुआ, उनमें नेमसिंग पिता देवलाल, रामजगदीश एवं कृष्णा पिता दर्शन प्रमुख रहे। साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 30 से 35 हितग्राहियों का स्थल पर ही NPCI मैपिंग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने 10 नवीन पूर्ण आवासों के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबी भी सौंपी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, विद्यालय शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आयोजन को ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की गरिमा के अनुरूप एक सफ्ल और प्रेरणादायी कार्यक्रम बताया।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

बेबीलॉन टावर हादसे में जांबाज युवाओं ने किया रेस्क्यू, कलेक्टर-एसएसपी ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के बेबीलॉन टावर में बीते रात अचानक आग लगने की घटना पर जिला प्रशासन-पुलिस और विशेष कर कुछ साहसी युवाओं के प्रयासों और सूझबूझ से बिना जनहानि के काबू पा लिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरोस् को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने सम्मानित किया।

बता दें बेबीलॉन टावर में आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री साय ने जिला प्रशासन को त्वरित रूप से राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को यह विशेष रूप से हिदायत दी थी कि इस अग्नि दुर्घटना में जनहानि न होने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बेबीलॉन टावर में आग लगने की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अग्निशमन का अमला तेजी से मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य जुट गया।

सोमेश व युवाओं ने अपनी जान की नहीं की परवाह, बचाई जानें

सोमेश साव ने बताया कि उनके मित्र ने फोन कर आगजनी की सूचना देकर सहायता करने को कहा वे 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पहुंच गए। वहां पहुंच कर बेसमेंट में मौजूद फायर एक्यूपमेंट को इकट्ठा किया और सीढ़ियों से उपर चढते हुए सभी फ्लोर पर लगे आग बुझाते चले गए। उन्होंने नगर निगम कर्मचारी ए वेनूगोपाल, जो फायर ब्रिगेड में थे, उन्होंने उन युवाओं को गीले कपड़े के मास्क के रूप में उपयोग करने को कहा। कुछ देर बाद सोमेश, ए. वेनूगोपाल आग लगी जगह पर पहुंच गए और टीम के साथ फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि इन जांबाज़ बच्चों ने अपने समाज की संस्कृति और परिवार के संस्कारों को प्रदर्शित किया है कि कठिन

परिस्थितियों में अपनी चिंता न कर दूसरों की चिंता करें एवं इनके माता-पिता वंदनीय हैं जिन्होंने अपनी संतानों की इतनी अच्छी परवरिश की, जो अपने समाज के समक्ष उदाहरण बनकर उभरें हैं। कलेक्टर ने कहा कि कल रात घटना की जानकारी मिली तो एसएसपी और मैं एयरपोर्ट में थे। चूंकि मुख्यमंत्री श्री साय का आगमन होना था। मुख्यमंत्री ने हमें तुरंत घटना स्थल पर जा कर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुड़ जाने का निर्देश दिए। इसके तुरंत बाद घटना स्थल पर पहुंच गए।

उस दौरान नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एडीएम उमाशंकर बंदे, एसडीएम नंदकुमार चौबे, जिला सेनानी अधिकारी पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई और सहित प्रशासनिक अमला और एसडीआरएफ की टीम आग बुझााने के काम में डटे थे। रेस्क्यू टीम ने आग लगे स्थल से एक दिव्यांग व्यक्ति को गोद में लेकर बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पहले एसडीएम नंदकुमार चौबे और जिला सेनानी पुष्पराज सिंह घटना स्थल पहुंच गए। परिस्थियों को देखते हुए वे दोनो टीम के साथ 7वें माले पर पहुंच गए और उपस्थित लोंगो को समझाया कि घबराएं नही और सावधानी बरते हुए सीढ़ियों से बाहर निकलने का रास्ता बताया, जिससे सभी लोग सुरक्षित तरीके से बाहर निकल आए।

यह सारे लोग समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

बेबीलॉन टावर में फंसे लोगों को समय रहते ही सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते इस दुर्घटना में जनहानि नहीं हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री और सीएम सचिवालय के अधिकारी पल-पल की जानकारी लेते रहे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के हीरो को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने शॉल और किताब देकर सम्मानित किया और कहा कि यह सारे लोग समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमारे शहर के गौरव हैं, जिन्होंने अपने जान की परवाह किए बिना फंसे लोगों को बचाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। इनमें सोमेश साव, देवाशीष बरिहा, आकाश साहू, विशाल यादव, अभिषेक सिन्हा ए वेनूगोपाल शामिल थे। जिला सेनानी अधिकारी पुष्पराज सिंह, तेलीबांधा थाना टीआई सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने भी इस दुर्घटना की रोकथाम और बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

प्रोजेक्ट नैनोः रायपुर जिले में कृषक कर रहे ड्रोन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव

रायपुर। रायपुर जिले के किसान अब आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन और स्प्रेयर मशीन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर रहे हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा प्रोजेक्ट नैनो अंतर्गत इस पहल को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इससे खेती की लागत में कमी, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और पर्यावरण संरक्षण में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

रायपुर जिले के विकासखण्ड धरसींवा, आरंग, अभनपुर और तिल्दा में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन लगभग 10 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन से नैनो उर्वरकों का छिड़काव कराया जा रहा है तथा कृषकों को इनके लाभों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही ट्रैक्टर स्प्रेयर से भी नैनो उर्वरकों का उपयोग कराया जा रहा है। रायपुर जिले में अब तक लगभग 155 हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रेयर मशीन तथा 102 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों का छिड़काव किया जा चुका है। किसानों का रुझान लगातार नैनो उर्वरकों की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इनके उपयोग से पौधों की जड़ें अधिक सशक्त और विकसित हो रही हैं। परंपरागत रासायनिक उर्वरकों की तुलना में नैनो उर्वरकों न केवल फसल उत्पादकता के लिए बेहतर है, बल्कि इससे मिट्टी की उर्वरता भी संरक्षित होती है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह का कहना है कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीक से जोड़ते हुए उनकी खेती को अधिक लाभकारी, पर्यावरण हितैषी और टिकाऊ बनाना है।

प्रोजेक्ट रक्षा : गांव-गांव पहुंच रहा है मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन, बढ़ रही है जागरूकता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के

निर्देशानुसार और जिला प्रशासन की नवाचार पहल प्रोजेक्ट रक्षा के अंतर्गत ग्राम पंचायत कायाबंधा, कैम्प ब्लॉक आरंग में निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 से अधिक महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई। बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में अब तक 360 से अधिक महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

इस विशेष शिविर में मुख (ओरल), स्तन (ब्रेस्ट) और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए जांच की गई। शिविर में भाग लेने वाली महिलाओं को इन कैंसर के लक्षणों, बचाव के उपायों और नियमित जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रोजेक्ट रक्षा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को समय रहते कैंसर के प्रति सजग करना और प्रारंभिक चरण में ही उसकी पहचान कर उपचार सुनिश्चित कराना है। आपका एक कदम-जीवन की रक्षा की ओर जैसे प्रेरक संदेश के साथ मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन गांव-गांव जाकर यह अभियान चला रही है।

बालको मेडिकल सेंटर की विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित इस मोबाइल वैन के माध्यम से सुदूर अंचलों तक पहुंचा जा रहा है। इस पहल से न केवल कैंसर के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि महिलाएं बिना किसी खर्च के जांच करा रहीं है।

स्थापना दिवस में हुलास को मिला स्व. डॉ. मणिशंकर शर्मा स्मृति कृषि रत्न सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिन्दगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था, रायपुर द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हुलास पाठक को वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित 'कृषि रत्न सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान देश के ख्याति लब्ध कृषि वैज्ञानिक स्वर्गीय डॉ. मणिशंकर शर्मा की स्मृति में कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

समारोह सांसद बृजमोहन

अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में रायपुर के वृंदावन हॉल में आयोजित किया गया, जहाँ प्रो. पाठक को यह पुरस्कार उनके कृषि व्यवसाय, उद्यमिता विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। प्रो. हुलास पाठक वर्तमान में इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय में कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही, वे भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित 'आर के वी वाई रफ्तार एग्रीबिजनेस इंक्यूबेटर' के प्रधान अन्वेषक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने 30 वर्षों के करियर में कृषि अर्थशास्त्र, विपणन, कृषि व्यवसाय, उद्यमिता, इंक्यूबेशन प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण के अर्थशास्त्र और कृषि में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण कार्य किया है।

प्रो. पाठक कृषि अनुसंधान संघ, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष भी हैं। इसके अलावा, वे कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों, व्यावसायिक मंडलो और छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग की नवाचार परिषदों में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी अपना योगदान दे रहे हैं। यह सम्मान स्वर्गीय डॉ. मणिशंकर शर्मा के कार्यों को चिरस्थाई बनाए रखने के उद्देश्य से उनके परिवारजनों द्वारा शुरू किया गया है और हर वर्ष कृषि शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्व को दिया जाता है।

स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा भरपूर सहयोग

रायपुर। जिले में स्मृति पुस्तकालय योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत बोरियाकला शासकीय स्कूल की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती निशा नायक ने एमबीबीएस बीडीएस डेंटल सहित अन्य मेडिकल की पुस्तकें दान की। श्रीमती निशा नायक ने बताया कि मुझे विभागीय बैठक एवं समाचार पत्र में प्रकाशित स्मृति पुस्तकालय के समाचार से इस योजना की जानकारी मिली जिसके बाद मैंने दिए गए नंबर पर संपर्क कर पुस्तकें दान की।

महिलाओं और युवतियों को पूर्णतः सांस्कृतिक मंच प्रदान करने तीज महोत्सव का हुआ शानदार आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छ.ग. एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा विगत वर्षों की भाँति प्रदेश की विप्र महिलाओं, युवतियों को पूर्णतः सांस्कृतिक मंच प्रदान करने तीज महोत्सव का आयोजन अग्रवाल भवन, पुरानी बस्ती में किया गया। प्रतिभागियों ने समूह, एकल नृत्य, तीज सुंदरी की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं विशेष अतिथि राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा रहीं। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन, वंदना कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदाय कर स्वागत किया गया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अपने उदबोधन में कहा कि महिलायें तीजा अपने पति के दीर्घायु जीवन की कामना के लिये उपवास रखकर मनाती हैं। यह हमारी प्राचीन परम्परा है। संगठन इसे उत्सव के रुप में मना रहा है यह अच्छी बात है। सांस्कृतिक कार्यक्रम से ना केवल प्रतिभा निखरती है बल्कि आपसी मेल-मिलाप भी हो पाता है। बाल आयोग अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा ने कहा कि मुझे

यहां आकर खुशी हो रही है कि सभी तीज की खुशियों में बंधे दिख रहे हैं। पारम्परिक नृत्य से माहौल खुशनुमा है। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन मात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम भी नहीं समाज में जागरूकता के लिए चाणक्य स्मृति दिवस जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने बताया की इस नृत्य एवं तीज सुन्दरी प्रतियोगिता में रायपुर, बिलासपुर, भाटापारा, बलौदाबाजार, बेमेतरा, दुर्ग जिले से लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। नृत्य प्रतियोगिता के परिणाम निम्नानुसार रहे- एकल नृत्य में प्रथम - स्वीटी शर्मा, द्वितीय- अल्पना शर्मा, युगल नृत्य में प्रथम - सुरभी शर्मा, मनका त्रिपाठी, द्वितीय - सीमा चोपड़ा, रावी चोपड़ा एवं समूह नृत्य में प्रथम - महिषासुर मर्दनी ग्रुप, द्वितीय स्थान - निधि दीवान ग्रुप रहे। तीज सुन्दरी प्रतियोगिता में श्रीमती उन्नति शुक्ला विजेता रही।

इन सभी को स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को भी सहभागिता सम्मान पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्रीमती मनीषा शुक्ला - छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार, श्रीमती मंजूषा संत - संचालक मानसी ब्यूटी पार्लर, श्रीमती वरलक्ष्मी राव - डांस टीचर रहीं।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, प्रदेश महासचिव सुनील ओझा, अजय अवस्थी, प्रदेश सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत पुरोहित, संजय अवस्थी, संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा, महिला महासचिव सुमन मिश्रा, सांस्कृतिक सचिव प्रीति मिश्रा, बबीता मिश्रा, वीणा मिश्रा, सुमन पाण्डेय, विद्या भट्ट, अनिता राव, कल्पना मिश्रा, अर्चना तिवारी, लक्ष्मी राव, सुनीता शर्मा, रीता - त्रिभुवन तिवारी, सतीश शर्मा, राघवेन्द्र पाठक, रामबृत तिवारी, रवि शर्मा, उमेश शर्मा, नितिन शर्मा, सरयूपारिण ब्राह्मण से दशरथ शुक्ला, आल इंडिया ब्राह्मण से बबीता - मनहरण दुबे, गणेशदत्त झा, तेलगु ब्राह्मण से बी शैलजा - राजकुमार, चरामेती से मृणालिका - राजेन्द्र ओझा, कान्यकुब्ज से राजेश दीक्षित, राघवेन्द्र मिश्रा, नीता अवस्थी, पूर्णिमा शुक्ला, निशा अवस्थी, प्रीति मिश्रा, बिलासपुर से कान्यकुब्ज ब्राह्मण अध्यक्ष बी। के। पाण्डेय, दुर्ग से श्याम तिवारी, चंचल द्विवेदी, बेमेतरा से कनकलता मिश्रा, उमा तिवारी, बलौदाबाजार से रमेश मिश्रा, शैलजा मिश्रा, मनीषा शुक्ला, कीर्ति शर्मा, ऋचा द्विवेदी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गूंगे बहरों के लिए सदैव तत्पर जैन संवेदना ट्रस्ट , 8125वां श्रवण यंत्र बांटे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विगत 15 वर्षों से जैन संवेदना ट्रस्ट दिव्यांगों व साधर्मिक भाई बहनों के लिए कार्यरत है। पर्युषण पर्व के अवसर पर जैन संवेदना ट्रस्ट ने दिव्यांग सेवा व साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा सेवा सप्ताह मनाया। इस दौरान श्री ऋषभदेव जैन मंदिर प्रांगण में 18 दिव्यांगों को श्रवण यन्त्र वितरित किए गए। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि इस साप्ताहिक वितरण में ट्रस्ट ने 8125 वां श्रवण यंत्र प्रदान किया।

कोचर व चोपड़ा ने इस अवसर पर कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जीवन भर सुनने के बाद जब बुढ़ापे में कम सुनाई देने लगता है तो बड़ी समस्या पैदा हो जाती है। इस वक्त श्रवण यन्त्र ही बड़ा सहारा होता है। कोरोनाकाल के पश्चात सामान्यतः परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर की बीमारियों ने घेर लिया है। ब्लड प्रेशर

कम ज्यादा होना जीवन के लिए घातक हो सकता है। घरों में बी पी मशीन होने से तुरंत प्रारम्भिक इलाज किया जा सकता है , जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा जैन साधर्मिक परिवारों के लिए स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना में 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर एक साधर्मिक परिवार के सजग प्रहरी बन सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत बी पी व शुगर जांच की 18 - 18 मशीनों का वितरण किया गया।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि नौकरीपेशा व मध्यमवर्गीय जैन परिवारों को आवश्यकता अनुसार 1 ब्लड प्रेशर मशीन व 1 शुगर टेस्टिंग इक्यूपमेंट दिया जा रहा है। पर्युषण पर्व में जिन परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर से पीड़ित परिजन हैं ऐसे 18 परिवारों को मशीन वितरित की गई है। कोचर व चोपड़ा ने बताया कि सितम्बर माह में 25 परिवारों को और मशीन दी जावेगी। जिन साधर्मिक भाई बहनों के परिवार में ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीज हों वे संपर्क कर नाम दर्ज करवा सकते हैं। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा शुगर इक्यूपमेंट के साथ एक पैकेट जांच पट्टी भी दी जा रही है , आगे जांच पट्टी स्वयं को लेनी होगी। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि जरूरत होने पर ब्लड प्रेशर व शुगर जांच करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। ज्ञात हो कि जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा विगत दिनों में साधर्मिक स्वावलंबन योजना के अंतर्गत व्यवसाय में सहयोग किया जा रहा है व सुकन्या विवाह योजना पर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं, बच्चे रायगढ़ रवाना

रायपुर। दिव्यांगता कोई कमी नहीं, बल्कि एक विशेष सामर्थ्य है। इसी सोच को साकार कर रहे हैं रायपुर जिले के वे विशेष बच्चे, जो अपनी कला और संगीत के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दे रहे हैं। इन बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से चल रहे दिव्य धुन प्रोजेक्ट के तहत अब ये 14 बच्चे राज्य के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन चक्रधर महोत्सव, रायगढ़ में बैंड प्रस्तुति देने जा रहे हैं। साथ ही कला केंद्र के 9 विद्यार्थी गायन, बैंजो, तबला वादन सहित अन्य विधाओं में प्रस्तुति देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल के अंतर्गत बच्चों को कला केंद्र, रायपुर में गायन तथा तबला, गिटार, ढोलक, हारमोनियम सहित अन्य वाद्य यंत्रों का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

शक्ति कपूर ने 'हीरो नंबर 1' के साथ मनाया 73वां जन्मदिन, बेटी श्रद्धा कपूर ने दिखाई झलक

बॉलीवुड अभिनेता शक्ति कपूर का 3 सितंबर को 73वां जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। उनकी बेटी और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने गुरुवार को इन खास पलों का सोशल मीडिया पर एक प्यारा और मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दोनों हंसते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में श्रद्धा ने पिता के साथ बिताए खास लम्हों को साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। श्रद्धा की इस पोस्ट ने फैंस का दिल जीत लिया।

श्रद्धा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शक्ति कपूर की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'हीरो नंबर 1' का एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में दोनों बड़े आराम से बैठे फिल्म का आनंद लेते हुए नजर आ रहे हैं और कई बार जोर-जोर से हंसते भी दिख रहे हैं।

श्रद्धा ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, अंत तक देखें कि कौन देख रहा है। बापू का जन्मदिन धमाल, शक्ति कपूर। फिल्म 'हीरो नंबर 1' का निर्देशन डेविड धवन ने किया था। यह फिल्म 21 फरवरी 1997 को रिलीज हुई थी। यह एक क्लासिक कॉमेडी है, जिसमें एक अमीर युवक है, जो अपनी प्रेमिका के परिवार वालों का दिल जीतने के लिए घर के कामकाज में हाथ बंटाता है। इसमें वह झाड़ू-पोंछा करता है, खाना बनाता है, गाता है और नाचता है, जिससे फिल्म में कई हंसी-मजाक के पल बनते हैं।

फिल्म में 'सोना कितना सोना है' गाना खास तौर पर लोकप्रिय हुआ और आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, 'सातों जनम', 'मैं तुझको भगा लाया', और 'यूपी वाला ठुमका' जैसे गाने भी काफी हिट हुए। यह फिल्म इतनी पसंद की गई कि इसका तेलुगु में भी रीमेक 'गोपिंती अल्लुदु' बना। श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही एक पीरियड ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन लक्ष्मण उटेकर करेंगे और यह फिल्म नवंबर से शुरू हो सकती है। इसके अलावा, श्रद्धा ने निर्माता एकता कपूर की एक फिल्म साइन की है, जिसमें उनकी जोड़ी आदित्य रॉय कपूर के साथ देखने को मिल सकती है। इसके अलावा, वे 'तुम्बाड' के निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक नई ड्रामा फिल्म और 'धूम' सीरीज की अगली फिल्म में भी काम कर सकती हैं।

'लव एंड वॉर' रणबीर और विकी के बीच होगी जोरदार भिड़ंत

संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' साल 2026 की बड़ी फिल्मों में से एक है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। तीनों ही कलाकार दमदार हैं, इसलिए फिल्म के लिए फैंस का उत्साह काफी बढ़ गया है। भंसाली की फिल्म होने के नाते, जाहिर है कि इसकी शूटिंग बड़े पैमाने पर की जा रही है। हाल ही में फिल्म के क्लाइमेक्स की जानकारी सामने आई थी। अब खबर है कि मेकर्स 'लव एंड वॉर' में तड़का लगाने के लिए रणबीर और विक्की के बीच एक जबरदस्त फाइट सीक्वेंस डालना चाहते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विक्की कौशल और रणबीर कपूर 'लव एंड वॉर' में एक धमाकेदार फाइट सीक्वेंस के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। भंसाली विक्की और रणबीर के बीच एक इंटेंस फाइट सीन की तैयारी कर रहे हैं। खबरों की मानें तो टीम इस बड़े शेड्यूल के लिए इटली के सिसिली में एक पूरी सड़क को ब्लॉक करने वाली है। 'हम दिल दे चुके सनम' के बाद, भंसाली पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग करेंगे। संजय लीला भंसाली बॉलीवुड के रोमांस और ड्रामा को वैश्विक मंच पर ले जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म निर्माता इटली के सिसिली में 'लव एंड वॉर' का क्लाइमेक्स शूट करेंगे। भारत में लगभग 125 दिनों की शूटिंग पूरी करने के बाद, जिसमें मुंबई में विशेष रूप से बनाए गए सेटों पर एक बड़ा शेड्यूल भी शामिल है, फिल्म अब विदेश के लिए रवाना होगी। खबरों के मुताबिक, संजय लीला भंसाली 'लव एंड वॉर' के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रख रहे हैं।

निर्देशक फिल्म के क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग इटली के सिसिली में करेंगे। शहर भर में एक बड़ा शेड्यूल प्लान किया गया है, जो इसे फिल्म की सबसे शानदार शूटिंग में से एक बना देगा। क्लाइमेक्स में जबरदस्त इमोशन, रोमांस और दृश्यों का मिश्रण देखने को मिलेगा। यह सभी जानते हैं कि भंसाली बड़े नाटकीय पलों को फिल्माना पसंद करते हैं, और 'लव एंड वॉर' का क्लाइमेक्स रोमांस की पृष्ठभूमि पर होगा। 'लव एंड वॉर'अगले साल रिलीज़ होगी।

वह सिसिली में एक लंबा क्लाइमेक्स सीक्वेंस शूट करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें शहर के विभिन्न लोकेशन दिखाए जाएँगे। इस शेड्यूल के दौरान, वह तीनों किरदारों के साथ एक गाना भी शूट करेंगे। भंसाली अपनी टीम के साथ इटली में लगभग एक महीने तक शूटिंग करने वाले हैं। इस फिल्म से प्रशंसकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। यह फिल्म अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

संगीत के उस्ताद एआर रहमान ने करियर में धीमी गति से आगे बढ़ने का किया फैसला

एआर रहमान, जिन्होंने अपनी कालातीत रचनाओं से पीढ़ियों को प्रेरित किया है, ने काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने के अपने निजी सफर की एक दुर्लभ झलक साझा की है। रहमान ने खुलासा किया कि सालों तक दिन-रात अथक परिश्रम करने के बाद, उन्होंने अब जानबूझकर परिवार और निजी जीवन को प्राथमिकता देने के लिए जीवन में गति धीमी करने का फैसला किया है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, रहमान ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ जब वह एक साथ कई फिल्मों पर काम कर रहे थे, और लगातार इस बात को लेकर चिंतित रहते थे कि आगे क्या होगा। उन्होंने कहा, कभी-कभी, आप सब कुछ प्लान करते हैं, और वह रद्द हो जाता है। कभी-कभी यह मेरे बस की बात नहीं होती। मैं पानी की तरह बहाव के साथ बहता हूँ। यह बर्तन का आकार ले लेता है। काम के साथ भी, यह अपने आप ही देता है। भगवान ने मुझे समय देने का अपना तरीका निकाला है।

अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने घाटी एक्स पुष्पा क्रॉसओवर में रुचि व्यक्त की

अनुष्का शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'घाटी' का प्रमोशन कर रही हैं, जो 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होगी। चूँकि अभिनेत्री ने अब तक किसी भी तरह के प्रत्यक्ष साक्षात्कारों से दूरी बना ली है, इसलिए हाल ही में उन्हें एक टेलीफोन इंटरव्यू में देखा गया, जहाँ उन्होंने 'घाटी' में अपने किरदार और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' के बीच एक क्रॉसओवर की उम्मीद जताई। अनुष्का शेट्टी चाहती हैं कि 'घाटी' और अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' के बीच एक क्रॉसओवर हो।

गुल्टे से बात करते हुए, अनुष्का शेट्टी ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि ऐसा हो। कोई सुकुमार सर को यह बात बताए। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' और 'घाटी' के बीच एक क्रॉसओवर देखना रोमांचक होगा। बाहुबली स्टार ने आगे कहा, कच्चे और देहाती ड्रामा के दो किरदारों को एक साथ लाना खास होगा। उम्मीद है कि सुकुमार कुछ दिलचस्प लेकर आएंगे। आप जानते हैं कि सुपरहीरो कैसे क्रॉसओवर करते हैं, हम भी ऐसा कर सकते हैं। अनुष्का और अल्लू अर्जुन अपने करियर में दो बार स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। पहली बार कृष जगरलामुडी निर्देशित वेदम (2010) और बाद में रुद्रमादेवी (2015)।

इसी बातचीत में, अनुष्का शेट्टी ने प्रभास के साथ फिर से पर्दे पर काम करने की इच्छा जताई, लेकिन कहा कि वह सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही हैं। बिल्ला अभिनेत्री ने कहा, मैं सचमुच प्रभास के साथ एक बार फिर काम करना चाहती हूँ। हालाँकि, मुझे लगता है कि बाहुबली के बाद, यह कुछ उतना ही प्रभावशाली या कुछ नया होना चाहिए। अगर प्रभास और मुझे पसंद आए, तो हम साथ में काम करेंगे। घाटी के बारे में और जानकारी घाटी एक तेलुगु भाषा की एक्शन क्राइम ड्रामा है जिसमें अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है जो घाटी जनजाति से आती है, जो गांजा उगाने और तस्करी के लिए जानी जाती है। जब उसके व्यावसायिक साझेदार उसे धोखा देते हैं, तो उसे उम्मीदों से बढ़कर आगे बढ़ना होता है और अंततः अपने समुदाय में एक किंवदंती बन जाती है। अनुष्का की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में विक्रम प्रभु भी सह-नायक हैं। इस फिल्म में चैतन्य राव मददी, जगपति बाबू, राघव रुद्र मुलपुरु, जिशु सेनगुप्ता, जॉन विजय, रवींद्र विजय और कई अन्य कलाकार शामिल हैं। कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित, यह एक्शन क्राइम ड्रामा पहले 11 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे 5 सितंबर तक के लिए टाल दिया गया।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा का ट्रेडिशनल लुक, पीले रंग की साड़ी में लगीं बेहद खास

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा प्रशंसकों को कभी भी अपने ग्लैमर लुक से निराश नहीं होने देती हैं। बुधवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उनका पारंपरिक अवतार देखने को मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में अभिनेत्री ने पीले रंग की सुंदर सी साड़ी पहनी है, जिसका बार्डर चौड़ा है। अपने ट्रेडिशनल लुक को और भी खास बनाने के लिए उन्होंने गले में एक खूबसूरत हार के साथ मंगलसूत्र पहन रखा है और कानों में झुमके पहने हैं, जो उनके चेहरे की मुस्कान के साथ और भी निखर रहे हैं। हाथों में उन्होंने गोल्डन कलर की चूड़ियों का सेट पहना है, जो उनके पहनावे को एकदम पूरा बना रहा है। माथे पर छोटी सी बिंदी और मांग में सिंदूर उनके पूरे लुक को दुल्हन जैसी छवि दे रहा है। उन्होंने बालों को खुला छोड़ रखा है।

इन तस्वीरों को साझा करते हुए मोनालिसा ने लिखा, पीले कपड़ों में एक साथ... सबसे अच्छा समय बिताया। तस्वीरों की बात करें तो वह पहली तस्वीर में अपनी दो दोस्त के साथ दिख रही हैं, उन्होंने भी पीले रंग के आउटफिट पहने हुए हैं। उनकी हर तस्वीर में चेहरे की रौनक और भाव साफ झलक रहा है। मोनालिसा की इन तस्वीरों पर हजारों की संख्या में लाइक्स और कमेंट्स आने लगे हैं। एक यूजर ने लिखा, स्वीट, तो दूसरे फैन ने लिखा, प्योर इंडियन ब्यूटी।

बता दें, मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में रणभूमि, हम हैं खलनायक, जाड़े में बलमा प्यारा लगे, नथुनिया पे गोली मारे, देवरा बड़ा सतावेला, पाकेट गैंगस्टर्स, और पवन राजा जैसी कई फिल्मों में काम किया है। फिल्मों के अलावा, वह लाल बनारसी, बेकाबू, नमक इश्क का, और माता की महिमा समेत कई टीवी शो में भी दिखाई दीं। उन्होंने डांस रियलिटी शो नच बलिए 8 में भी हिस्सा लिया था।

ब्रेकअप के कारण दुखी है आपका मन? बेहतर होने के लिए करें यह काम

लोग कहते हैं कि किसी रिश्ते के टूटने का दर्द इंसान को अंदर से भी तोड़ देता है। ब्रेकअप होने के बाद सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है और मन हर वक्त दुखी रहता है। कुछ लोग तो इस वजह से अवसाद और चिंता का शिकार हो जाते हैं। हालांकि, एक कमजोर रिश्ते की याद में खुद को परेशान करना सही नहीं है। हम आपको कुछ डेटिंग टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाने से आपको ब्रेकअप से उबरने में मदद मिलेगी।

जो हुआ उसे स्वीकार करें

जब कोई भी रिश्ता टूटता है तो हम दिल में उम्मीद लिए बैठे रहते हैं कि कुछ दिनों में सब ठीक हो जाएगा। हालांकि, हकीकत इससे अलग होती है और उसे स्वीकार किए बिना आगे बढ़ना नामुमकिन है। इसीलिए, इस बात को जल्द से जल्द स्वीकार करें कि ब्रेअकप असल में हो गया है और जी भर के रो लें। अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं और बीते पलों को याद करने के बजाय आगे की जिंदगी के बारे में सोचें।

उस व्यक्ति के बारे में बात करने और सोचने से बचें

ब्रेकअप के बाद अपने साथी की यादों को दिल से निकालना सबसे कठिन होता है। कुछ लोग इस वजह से अपने एक्स को बार-बार फोन करते रहते हैं या दिनभर उनके बारे में सोचते रहते हैं। हालांकि, ऐसा करना आपको जीवन में कभी आगे बढ़ने नहीं देगा। रिश्ता टूटने के बाद उनके बारे में न सोचने की कोशिश करें। चाहे आपको कितनी भी तकलीफ क्यों न हो, उनसे बात करने या मिलने की गलती न करें।

अपने करीबियों से बात करें और उनसे मिलें

ब्रेकअप के बाद लोग दर्द को अपने दिल में ही दबाकर रखते हैं। इससे तनाव बढ़ जाता है, किसी काम में मन नहीं लगता है और धीरे-धीरे वे अवसाद का शिकार हो जाते हैं। अपनी भावनाओं को छिपाने के बजाय अपने करीबियों से साझा करना बेहतर होता है। अपने दोस्तों या परिवार वालों से बात करके अपने मन का बोझ हल्का कर लें। अपनों के साथ वक्त बिताने से आपको खुशी महसूस होगी और आप जल्दी चीजों को भूल पाएंगे।

खुशी देने वाली गतिविधियां करें

हम जानते हैं कि रिश्ता टूटने का दर्द इतना ज्यादा होता है कि किसी चीज में मन नहीं लगता। हालांकि, अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो कुछ ऐसी गतिविधियां करें, जो आपको खुशी देती हों। इससे आपका ध्यान बटेगा, नकारात्मक विचारों से छुटकारा मिलेगा और आप दोबारा खुद की प्रतिभा को पहचान सकेंगे। अपने दोस्तों संग घूमने जाएं, कोई रचनात्मक गतिविधि अपनाएं, पसंदीदा खाना खाएं या किसी प्यारे जानवर को घर ले आएं।

खुद को व्यस्त रखें

ब्रेकअप काम-काज को अनदेखा करने का बहाना नहीं हो सकता। आपको अपने दर्द से उबरने की कोशिश करने के साथ-साथ अपने पुराने रूटीन में भी वापस आना होगा। सुबह जल्दी उठकर ध्यान लगाएं, खान-पान का ध्यान रखें, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें और खाली न बैठें। खुद को काम में व्यस्त रखने से आपको एक्स के बारे में सोचने का समय नहीं मिलेगा और धीरे-धीरे वह आपके दिल और दिमाग से निकल जाएंगे।

चेहरे को हाइड्रेट करने के लिए घर पर बनाएं ये 5 टोनर, आसान हैं बनाना

चेहरे को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। यह त्वचा को पोषण देने और उसे स्वस्थ रखने में मदद करता है। बाजार में कई तरह के टोनर मिलते हैं, लेकिन घर पर बने टोनर का कोई मुकाबला नहीं। ये न केवल सस्ते होते हैं, बल्कि इनमें रासायनिक तत्व भी नहीं होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार टोनर की विधि बताएंगे, जिन्हें आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।

गुलाब जल और खीरे का टोनर

गुलाब जल और खीरे का मिश्रण एक बेहतरीन टोनर है। इसके लिए आपको ताजे गुलाब की पंखुड़ियां और खीरे का रस चाहिए। सबसे पहले गुलाब की पंखुड़ियों को पानी में उबालें और ठंडा होने दें, फिर इसमें खीरे का रस मिलाएं। इस मिश्रण को एक साफ बोतल में भरकर ठंडा रखें और रोजाना सुबह और शाम चेहरे पर लगाएं। यह आपके चेहरे को ताजगी देगा और उसे हाइड्रेट रखेगा।

नींबू और नारियल पानी का टोनर

नींबू और नारियल पानी का टोनर ताजगी और ऊर्जा देता है। इसके लिए आपको एक कप नारियल पानी लें और उसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भर लें। रोजाना सुबह और शाम अपने चेहरे पर छिड़कें और हल्के हाथों से थपथपाएं ताकि यह अच्छी तरह से सोख ले। यह टोनर आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखेगा और उसे चमकदार बनाएगा।

सेब का सिरका और पानी का टोनर

सेब का सिरका प्राकृतिक एंटीसेप्टिक होता है, जो त्वचा की गंदगी को हटाता है। इसके लिए आपको एक कप पानी लें और उसमें एक चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भर लें। रोजाना रात को सोने से पहले अपने चेहरे पर छिड़कें और हल्के हाथों से थपथपाएं। यह टोनर आपकी त्वचा को साफ-सुथरा रखेगा और उसे हाइड्रेट करेगा।

एलोवेरा जेल और गुलाब जल का टोनर

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो त्वचा को आराम पहुंचाते हैं। इसके लिए आपको दो चम्मच एलोवेरा जेल लें और उसमें एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इस मिश्रण को एक साफ बोतल में भरकर ठंडा रखें और रोजाना रात को सोने से पहले अपने चेहरे पर लगाएं। यह टोनर आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखेगा और उसे मुलायम बनाएगा।

ग्रीन टी और नींबू का टोनर

ग्रीन टी में ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा को युवा बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके लिए आपको एक कप ग्रीन टी बनाकर उसमें थोड़ा-सा नींबू रस मिलाएं। इस मिश्रण को ठंडा होने दें, फिर इसे एक साफ बोतल में भरकर ठंडा रखें और रोजाना सुबह और शाम अपने चेहरे पर लगाएं। इन सभी घरेलू टोनर्स का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को न केवल साफ-सुथरी रख सकते हैं, बल्कि उसे हाइड्रेट भी कर सकते हैं।

संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी बल्कि नैतिक कर्तव्य भी: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी कंवर समाज युवा प्रभाग रायपुर द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत 2025 करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। इस संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी, बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। ऐसे पर्व और परंपराएँ समाज को एकजुट होने का अवसर देती हैं, जिससे स्नेह, सद्भाव एवं सौहार्द की भावना विकसित होती है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कंवर समाज के युवाओं द्वारा राजधानी रायपुर में करमा तिहार का आयोजन किया जा रहा है। हमारी आदिवासी संस्कृति में अनेक प्रकार के करमा तिहार मनाए जाते हैं। आज एकादशी का करमा तिहार है, जो हमारी कुंवारी बेटियों का पर्व है। इस करमा तिहार का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को उत्तम वर और उत्तम गृहस्थ जीवन मिले।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर बेटियाँ अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का पर्व आता है, जिसमें विवाह के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है, तो वह उपवास रखकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। इसी प्रकार जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है, जिसमें माताएँ पुत्र-पुत्रियों के दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। यह एक कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएँ चौबीस घंटे तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यदि छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां अंग्रेजों के विरुद्ध 12 आदिवासी क्रांतियाँ हुईं। हमारी सरकार नया रायपुर स्थित ट्राइबल म्यूजियम में आदिवासी संस्कृति के महानायकों की छवि को आमजन की जागरूकता के लिए प्रदर्शित करने मॉडल के रूप में उकेरा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जा रहा है। उनके करकमलों से इस म्यूजियम का शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देती रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आजादी के लगभग 40 वर्षों बाद आदिवासी विभाग का पृथक मंत्रालय बनाकर आदिवासी समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के बताए मार्ग पर वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी आदिवासी समाज के बेहतरी एवं समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के लिए पीएम जनमन योजना का संचालन कर रहे हैं, जिससे हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह ने बस्तर, सरगुजा एवं मध्य क्षेत्र प्राधिकरण का गठन कर विकास को गति प्रदान करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि युवा आदिवासियों को स्वरोजगार से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से हमने नई उद्योग नीति बनाई है, जिसमें बस्तर एवं सरगुजा क्षेत्रों के लिए विशेष रियायतें दी गई हैं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। इसके लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना राज्य में ही की जा रही है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी आदिवासी संस्कृति अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली परंपरा रही है। इसी परंपरा के निर्वहन में आज हम करमा तिहार मना रहे हैं। हमारी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। साय जी के नेतृत्व में ही बस्तर संभाग में बस्तर पांडुम के नाम से ओलंपिक का आयोजन किया गया, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हुई। कश्यप ने इस अवसर पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत करमा तिहार की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

संरक्षक, अखिल भारतीय कंवर समाज विकास समिति पमशाला, जशपुर, श्रीमती कौशिल्या साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज और प्रकृति एक-दूसरे के अभिन्न अंग हैं। आदिवासी समाज के लिए प्रकृति सदैव आराध्य रही है। करमा पर्व प्रकृति प्रेम का पर्व है। हमारी संस्कृति अत्यंत गौरवशाली रही है और उसका संरक्षण तथा समय के साथ संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि समाज की महिलाएँ आगे आकर इस संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने सभी को प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत करमा तिहार की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राम कुमार टोप्पो, विधायक आशाराम नेताम, विधायक प्रबोध मिंज, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम राम सेवक सिंह पैकरा, केशकला बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन, सभापति जिला पंचायत धमतरी टीकाराम कंवर, अध्यक्ष कंवर समाज रायपुर महानगरमनोहर सिंह पैकरा सहित कंवर समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लुत्ती बांध टूटने से प्रभावित परिवारों से मिले कृषि मंत्री बंधाया ढांढस, हर संभव मदद करने दिलाया भरोसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर जिले में लुत्ती डैम टूटने से हुए हादसे के बाद कृषि मंत्री रामविचार नेताम स्वयं घटना स्थल पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। मंत्री नेताम ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन उनके साथ खड़ा है। मौके पर ही उन्होंने अधिकारियों से चर्चा कर पशुहानि व फसल क्षति की जानकारी ली और तत्काल मुआवजा राशि का चेक प्रदान किया। इस दौरान कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर रमनलाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

मंत्री नेताम ने प्रभावित परिवारों से संवाद कर घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस आपदा से हुए क्षति की भरपाई भले ही पूरी तरह संभव नहीं है, लेकिन राज्य सरकार हर संभव मदद सुनिश्चित करेगी। उन्होंने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि मकान क्षति, फसल हानि और पशु हानि का विस्तृत सर्वे कर नियमानुसार शीघ्र मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य में लगातार जिला प्रशासन, एनडीआरएफ एसडीआरएफ और स्थानीय टीम लगी हुई हैं। साथ ही घायलों के बेहतर ईलाज का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को अस्थायी आवास, भोजन, पानी, चिकित्सकीय सुविधा प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं इस घटनाक्रम की जानकारी ली है और स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग व सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार संकट की इस घड़ी में आपके साथ खड़ी है।

इस दौरान मंत्री नेताम के द्वारा प्रभावित परिवार देवंती, संदीप, फुलमतिया को सहयोग राशि प्रदान किया गया। साथ ही उन्होंने पशुहानि के लिए गांगरेल को 64 हजार रुपये, कन्हाई को 37,500 हजार रुपये, खिलबानुस को 32 हजार एवं फसल क्षति के लिए राजेश्वर सिंह को 8,500 रुपये, सुखदेव को 7,520 रुपये, सुरेश को 7,520 रुपये संदीप को 01 लाख रुपये, कुल 02 लाख 57 हजार 40 रुपये का मुआवजा राशि प्रदान किया।

हादसे से न केवल ग्रामीणों की फसल और पशुधन को नुकसान पहुंचा, बल्कि आधारभूत संरचना भी प्रभावित हुई है। बांध का पानी बहने से बांध के नीचे डाउनस्ट्रीम साइड में वर्ष 2014 में निर्मित मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बने दो पुल एवं सड़क को भारी क्षति पहुंची है। दोनों पुल बह जाने से क्षेत्र के आवागमन को सुचारू बनाए रखने कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के आदेशानुसार दोनों पुलों के स्थान पर अस्थायी डायवर्सन निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में यह कार्य तेजी से प्रगतिरत है और प्रशासन का प्रयास है कि जल्द से जल्द आवागमन को सुचारू किया जा सके ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

धमतरी से देशभर में गूंजेगी ग्रीन आतिशबाजी 100 से अधिक महिलाओं को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ आतिशबाज़ी का नया केंद्र बनकर धमतरी पूरे प्रदेश और देश को प्रेरणा देने जा रहा है। यह पहल न केवल रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित त्योहारों की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम साबित होगी।

धमतरी जिले के ग्राम चटोद में महिलाएँ अब पारंपरिक पटाखों की जगह पर्यावरण अनुकूल ग्रीन पटाखों के निर्माण में जुटी हैं। यह पहल न केवल स्वच्छ और सुरक्षित दिवाली की राह दिखा रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और रोज़गार का नया द्वार भी खोल रही है।

कलेक्टर धमतरी ने श्री गणेशा फायरवर्क्स यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं से संवाद कर उत्पादन प्रक्रिया और गुणवत्ता की जानकारी ली तथा मौके पर ग्रीन पटाखा चलाकर उसकी सुरक्षा और प्रभाव का अनुभव भी किया। इस यूनिट को पाँच एकड़ भूमि लीज पर उपलब्ध कराई गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रबंधन को कड़े निर्देश दिए कि परिसर में अग्नि शमन की ठोस व्यवस्था, समय-समय पर मॉक ड्रिल और ज्वलनशील पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि चटोद में स्थापित यह यूनिट 'लोकल से वोकल' और महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है, वहीं समाज को स्वच्छ और सुरक्षित विकल्प प्राप्त हो रहा है।

यूनिट के सेल्स हेड श्री आशीष सिंह ने बताया कि ग्रीन पटाखों में बारूद का प्रयोग नहीं होता, जिससे यह पूरी तरह सुरक्षित रहते हैं और प्रदूषण भी नहीं फैलाते। वर्तमान में यहाँ लगभग 100 से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं, जिन्हें स्थायी रोजगार प्राप्त हुआ है। आने वाले समय में विवाह समारोहों और अन्य आयोजनों के लिए भी ग्रीन पटाखों की विभिन्न किस्में उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री साय की जशपुर को बड़ी सौगात 6.54 करोड़ रूपए की लागत से बनेगी सड़कें

जशपुर के पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी, बढ़ेगा पर्यटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिला वासियों को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने जिले में सड़के बनाने 6.54 करोड़ रूपए से अधिक राशि मंजूर की है। इन राशि से जशपुर जिले के पर्यटन स्थलों को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए पक्की सड़के बनाई जाएगी। इसके साथ ही जिला वासियों के लिए भी आवागमन आसान हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग संभाग-जशपुर के अंतर्गत कुनकुरी क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए कुल 6 करोड़ 54 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही कार्य जल्द शुरू होगा। इन सड़कों के बन जाने से जशपुर के मनोहर प्राकृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुँच आसान होगी, जिले में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक पहुंचेंगे और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगें। इसके साथ ही जशपुर में पर्यटन में पर्यटन को नई पहचान मिलेगी।

स्वीकृति के तहत जोकारी से मधेश्वर पहाड़ तक 3 किलोमीटर लंबी सड़क 3 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत से और एनएच-43 से मयाली डेम तक 1.30 किलोमीटर सड़क 2 करोड़ 85 लाख रुपये की लागत से बनाई जाएगी। इन सड़कों के निर्माण से जहां स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी, वहीं मधेश्वर पहाड़ और मयाली डेम जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल अब बेहतर सड़क सुविधा से जुड़ सकेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में इन स्थलों तक पहुँचना बेहद कठिन होता था। नई सड़क बनने के बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आसानी से यहाँ तक पहुँचने की सुविधा मिलेगी। इससे न केवल पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ेंगी, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम जशपुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगा।

निर्माण एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई और स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ममगाईं ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्सल पीड़ित पुनर्वास योजना के तहत आवास प्रदाय के लिए स्वीकृत प्रकरणों पर भी तेजी से अमल करने को कहा। उन्होंने बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पीडीएस भवनों के निर्माण कार्य,

सीएसआर के तहत् स्वीकृत परियोजनाएं, विशेष केंद्रीय सहायता मद से जनपद पंचायत नारायणपुर एवं ओरछा क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और क्रेडा के माध्यम से संचालित योजनाएं तथा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, परिवारों के समावेशन, अमृत सरोवर योजना, वन अधिकार पत्रों के डिजिटलाईजेशन एवं नामांतरण तथा आश्रम छात्रावासों के निरीक्षण प्रतिवेदन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण एवं अबुझमाड़ विकास अभिकरण मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति पर संतोष जताते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने को कहा। साथ ही प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत चल रही त्वरित गतिविधियों की सेच्यूरेशन स्थिति तथा बहुउद्देशीय केंद्रों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों में चल रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति तथा कक्षा 01 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को जारी जाति, निवास, आय एवं जन्म प्रमाण पत्रों की स्थिति की भी जानकारी ली। इसके अलावा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति, तथा जिले में संचालित विद्यालयों की आधारभूत सुविधाएं जैसे खेल मैदान, शौचालय, पानी एवं विद्युत व्यवस्था को यथाशीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणा के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये।

बैठक में शहरी एवं ग्रामीण आयुष्मान कार्ड वितरण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, पोषण पुनर्वास केंद्र, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना तथा राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ममगाईं ने आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बैठक में सामाजिक सहायता कार्यक्रमों के तहत संचालित पेंशन योजनाओं में पंजीकृत हितग्राहियों की संख्या, राशन कार्ड ई-केवाईसी, धान खरीदी की प्रगति, खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण व्यवस्था तथा उचित मूल्य दुकान भवनों के निर्माण की स्थिति की भी समीक्षा की।

एनएचएम के 25 अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा समाप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 18 अगस्त 2025 से अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही थी। इससे पूर्व 13 अगस्त 2025 को आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रस्तुत 10 मांगों में से 5 मांगों पर सहमति व्यक्त कर आवश्यक आदेश जारी किए जा चुके थे, जबकि शेष मांगों पर शासन स्तर पर विचार-विमर्श जारी था।

हड़ताल के दौरान विभिन्न स्तरों से बार-बार नोटिस जारी कर कर्मचारियों को कार्य पर लौटने के लिए कहा गया। इसके बावजूद भी अधिकारी एवं कर्मचारी काम पर नहीं लौटे, जिससे अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हुई और मरीजों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि सचिव, स्वास्थ्य विभाग अमित कटारिया ने 29 अगस्त को एक आदेश जारी कर सभी को काम पर वापस लौटने के निर्देश दिए थे। आदेश का पालन न करने की स्थिति में उन्हें सेवा से पृथक किए जाने का उल्लेख भी आदेश में निहित था। इसके बाद भी काम पर वापस नहीं लौटना आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है।

खास खबर

भालू के हमले से महिला घायल, सिर पर गहरी चोंट आई

मरवाही। भालू के हमले की घटना मरवाही वनमंडल के पिपरिया गांव में हुई, जहाँ सुमित्रा नामक एक अधेड़ महिला रात के समय सड़क पर पैदल चलकर घर जा रही थी। भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में चोट आई है। चीख-पुकार सुनकर लोग भालू को खदेड़ने में सफल रहे और महिला को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मरवाही वनमंडल में पिछले दो हफ्तों में भालू के हमले के कई मामले सामने आए हैं। इस क्षेत्र को भालू लैंड के नाम से जाना जाता है, जहाँ भालू भोजन की तलाश में रिहायशी इलाक़ों में घुस आते हैं। ऐसी घटनाओं से बचने के लिए जरूरी है कि लोग जंगल के पास जाते समय सावधानी बरतें और भालू को छेड़छाड़ न करें। जंगल या भालू प्रभावित क्षेत्रों में चलते समय सतर्क रहें। भालू को अपनी उपस्थिति का पता चलने दें ताकि वे आप पर हमला न करें। भालू को कभी भी छेड़छाड़ न करें खासकर जब वे अपने बच्चों के साथ हों।

लॉज में मिली युवक की लाश

खैरागढ़। शहर के जय स्तंभ चौक स्थित आशीष लॉज गुरुवार सुबह अचानक सनसनी का केंद्र बन गया। लॉज के रूम नंबर 306 का दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे लोगों ने देखा कि बाथरूम में 27 वर्षीय युवक का शव चादर से फंदे पर लटका हुआ है। मृतक की पहचान रायपुर के सीतानगर वार्ड क्रमांक 3 निवासी करण पाल (पिता डोमन पाल) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, करण पाल ने 30 अगस्त को लॉज में कमरा बुक कराया था और बताया था कि वह घूमने आया था। 1 सितंबर को आखिरी बार उसे कमरे से बाहर निकलते देखा गया था। इसके बाद कमरा लगातार बंद रहा। बुधवार रात मैनेजर ने जब दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। गुरुवार सुबह कर्मचारियों की मदद से दरवाजा खोला गया तो बाथरूम में युवक का शव फंदे पर लटका मिला। फिलहाल पुलिस ने कमरे को सील कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पहली नजर में मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन हत्या या किसी साज़िश से इंकार नहीं किया जा सकता। पुलिस अब युवक की कॉल डिटेल और पृष्ठभूमि की गहराई से जांच कर रही है।

पति से विवाद के बाद मायके आई महिला ने की खुदकुशी

जांजगीर। सरखों गांव में 22 वर्षीय नवविवाहिता महिला ने जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच पुलिस कर रही है। दरअसल सरखों गांव के चंद्रकांत सूर्यवंशी की 22 वर्षीय बेटी मीशा सूर्यवंशी ने तीन साल पहले गांव के ही एक युवक से प्रेम विवाह किया था। उनका एक बच्चा भी हुआ था जिसकी जन्म के कुछ समय बाद मौत हो गई थी। इसके बाद मीशा और उसके पति के बीच विवाद हो गया था जिसके चलते वह अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। इसी बीच मीशा ने जहर सेवन कर लिया। परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मीशा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच जारी है।

आदतन मोटरसाइकिल चोर सहित पांच आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, 17 बाइक किया बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिले में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर नकेल कसते हुए नेवई थाना, जामुल थाना और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई कर आदतन मोटरसाइकिल चोर समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई कुल 17 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिनकी कीमत लगभग 6 लाख 90 हजार रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने जिले में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान थाना नेवई में दर्ज अपराध क्रमांक 236/2025 और थाना जामुल में अपराध क्रमांक 731/2025 की जांच में मुखबिर की सूचना पर पुलिस को अहम सुराग मिला। आरोपी शुभम श्रीवास पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद उसने फिर से चोरी शुरू की। वह पेट्रोल खत्म हो जाने पर मोटरसाइकिलों को सुनसान जगहों पर छोड़ देता था। आरोपी ने अपनी जरूरत पूरी करने के लिए अकेले और साथियों के साथ मिलकर कई बाइकें चुराईं और उन्हें बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा था।

नेवई थाना क्षेत्र से बरामद वाहन नेवई पुलिस की कार्रवाई में आरोपी शुभम श्रीवास से पूछताछ के बाद 7 मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। इनमें हीरो होंडा, टीवीएस अपाचे और स्प्लेंडर समेत विभिन्न मॉडल की बाइकें शामिल हैं। आरोपी ने कबूल किया कि उसने रिसाली सेक्टर और मरोदा क्षेत्र से बाइकें चुराकर उन्हें झाड़ियों में छिपाकर रखा था। जामुल थाना क्षेत्र से हुई बरामदगी जामुल पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी सोहन यादव उर्फ हिंदी, अविनाश गायकवाड, धनेश्वर साहू और कीर्तिचंद चौहान ने चोरी की वारदातों को स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर कुल 10 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इनमें सीडी डिलक्स, स्प्लेंडर, पल्सर, होंडा हार्नेट और दो बुलेट रॉयल एनफील्ड शामिल हैं। बरामद बाइकों की कुल कीमत लगभग 5.90 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि इस पूरे अभियान में तकनीकी साधनों और सशक्त मोबाइल ऐप का भी इस्तेमाल किया गया। चोरी हुई मोटरसाइकिलों के इंजन और चेसिस नंबर की पहचान कर उन्हें डेटाबेस से मिलाया गया। इसके आधार पर चोरी की कई घटनाओं का खुलासा हुआ और आरोपियों तक पहुंचने में आसानी हुई। गिरफ्तार आरोपी सोहन यादव उर्फ हिंदी, निवासी तेलगू मंदिर, रूआबांधा, भिलाई (थाना जामुल) अविनाश गायकवाड, निवासी ग्राम झीट, थाना अम्लेश्वर (थाना जामुल) धनेश्वर साहू, निवासी ग्राम महुदा, थाना अम्लेश्वर (थाना जामुल) कीर्तिचंद चौहान, निवासी झुमरपाली, थाना सराईपाली (थाना जामुल) शुभम श्रीवास, निवासी गडहा फाटक, जगदीश मंदिर के पास, जबलपुर (म.प्र.), हाल कातुलबोर्ड, दुर्ग (थाना नेवई) पुलिस का बयान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) और 112(2) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

आरोपियों को 3 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि यह गैंग लंबे समय से दुर्ग-भिलाई क्षेत्र में सक्रिय था और लगातार बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरी की बाइकें किन लोगों को बेची गईं और इस गिरोह का नेटवर्क कहां-कहां तक फैला हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

इंस्टाग्राम दोस्त : सहयोगी के साथ मिलकर किया दुष्कर्म, आरोपी हुए गिरफ्तार

केशकाल (ए.)। फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बार फिर मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जहाँ पास के गांव के ही 2 युवकों ने मिल कर नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए फरसगांव पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज होने के चंद घण्टों में ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फिलहाल मामले में अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी गुपेंद्र और देव ने कुछ महीने पहले पीड़िता के साथ इंस्टाग्राम पर दोस्ती किया। दोनों युवक पीड़िता के साथ लगातार इंस्टाग्राम पर मैसेज में बातचीत करते थे। और पीड़िता को पसंद करता हूँ कहकर उसे मिलने के लिए फुसलाया करते थे लेकिन वह मिलने से इनकार कर दिया करती थी। इस बीच 22 मार्च 2025 को आरोपी देव नेताम अपने दोस्त गुपेंद्र के साथ कार में पीड़िता के मोहल्ले पहुंचा और उसे फोन कर के बाहर आने को कहा। पीड़िता बाहर आई तो उसे बातों में बहला फुसलाकर कार में बैठकर गट्टीपलना जंगल की ओर ले गए। जहां दोनों आरोपियों ने बारी-बारी से पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। लेकिन डर के कारण पीड़िता ने इस सम्बंध में किसी को नहीं बताया। इसके बाद 1 सितंबर को फरसगांव अस्पताल मैदान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान रात को पुनः आरोपियों ने पीड़िता को जबरन गाड़ी में बैठाकर गट्टीपलटना के जंगल लेकर गए और वहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

इस घटना के बाद नाबालिग पीड़िता ने हिम्मत जुटाई और परिजनों के साथ फरसगांव थाना आकर पुलिस को घटना की शिकायत दर्ज करवाई। प्रार्थिया की रिपोर्ट के आधार पर फरसगांव पुलिस ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध करते हुए BNS की धारा 137 (2), 70 (2), 3 (5), 6 पाक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव एसपी वाय अक्षय कुमार एवं एएसपी केडी पटेल के निर्देशानुसार विवेचना करते हुए चंद घण्टो के भीतर दोनों आरोपी देवकुमार नेताम और गुपेंद्र मरकाम को गिरफ्तार कर लिया।

तखतपुर में गौ हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के तखतपुर में गौ हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस जघन्य कांड में शामिल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें गौ वध करने वाले दो मुख्य आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ संगठित अपराध की धारा सहित छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

जिले में गौ हत्या की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने तखतपुर थाने की पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने कई घंटों की सघन तलाशी और पूछताछ के बाद आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस की इस

कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हैं। संगठित अपराध की धारा लगाई गई पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 299, 60, 13, 111 बीएनएस और छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 5, 6, 10 के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ गौ हत्या का मामला नहीं है, बल्कि इसमें एक संगठित गिरोह सक्रिय है, जो लंबे समय से इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त था। इसी वजह से पुलिस ने आरोपियों पर संगठित अपराध की धारा भी लगाई है।

पुलिस ने इस मामले में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके नाम इस प्रकार हैं: अरुण सिंह उर्फ अरुण, पास्टर राजेश दयाल उर्फ राजेश मसीह, मुकेश दयाल उर्फ मुकेश मसीह, साउल मसीह, संजय खेस, किशोर कुमार मसीह, लीला मसीह उर्फ कालो आंटी, राजेन्द्र लहरे उर्फ राजेन्द्र मसीह, सुनील कुमार टंडन, भोलू उर्फ अभिमन्यू ओगरे, गुलाम रजा खान उर्फ डब्बू, मुन्ना मसीह उर्फ राजकुमार मसीह, पुलिस सूत्रों के अनुसार, इनमें से अरुण सिंह और राजेश दयाल इस पूरे गौ वध कांड के मुख्य आरोपी हैं, जबकि अन्य आरोपी सहयोग और अपराध को अंजाम देने में शामिल रहे।

गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। अदालत ने गंभीर धाराओं को देखते हुए सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया है। पुलिस की मानें तो इस मामले में आगे और भी खुलासे हो सकते हैं। पुलिस की सख्ती, आगे और गिरफ्तारियां संभव वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तखतपुर क्षेत्र में गौ हत्या के मामलों पर सख्ती से नकेल कसी जाएगी। इस तरह के मामलों में किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता पाई गई तो आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

रायपुर में मामूली विवाद से हत्या का प्रयास, आरोपी अमित साहू उर्फ बाबा हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान अमित साहू उर्फ बाबा उर्फ सुमित विश्वकर्मा (27 वर्ष) के रूप में हुई है, जो भाठागांव निवासी है। उसने मामूली विवाद के बाद मोहल्ले के युवक पर कैंची से हमला कर दिया था, जिसमें पीड़ित को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त कर लिया और न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

मामला रायपुर जिले के थाना आजाद चौक क्षेत्र का है। प्रार्थी शेखर गुप्ता निवासी बढ़ाईपारा रायपुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 सितंबर 2025 की रात लगभग 12:45 बजे उसका भाई द्वारिका गुप्ता घर के बाहर मौजूद था। उसी समय आरोपी अमित साहू उर्फ बाबा, जो मोहल्ले में अक्सर गलत नियत से घूमता रहता था, वहां पहुंचा। जब द्वारिका गुप्ता ने आरोपी को मोहल्ले में घूमने से मना किया तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान आरोपी ने गुस्से में आकर द्वारिका गुप्ता पर कैंची से पेट पर हमला कर दिया। हमले से द्वारिका गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गया और परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना आजाद चौक पुलिस ने अपराध क्रमांक 258/2025 दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी के खिलाफ धारा 296, 351(2), 109 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी की पतासाजी की और 03 सितंबर 2025 को उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान आरोपी से घटना में प्रयुक्त कैंची भी जब्त की गई। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी का नाम अमित साहू उर्फ बाबा उर्फ सुमित विश्वकर्मा पिता का नाम: गणेश विश्वकर्मा, उम्र: 27 वर्ष, पता: भाठागांव, रावतपुरा कॉलोनी, ग्रीन विहार फेस-01 के सामने, थाना टिकरापारा, जिला रायपुर। पुलिस का बयान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी आदतन उपद्रवी है और अक्सर मोहल्ले में गलत गतिविधियों में संलिप्त रहता है। पीड़ित द्वारिका गुप्ता ने जब उसे रोकने की कोशिश की, तब उसने हत्या की नियत से हमला कर दिया। फिलहाल आरोपी जेल में है और उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। यह घटना इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे विवाद भी किस तरह गंभीर अपराध में बदल सकते हैं। पुलिस ने समय पर कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ लिया।

जमीन विवाद : दोस्त के साथ मिलकर टांगी मारकर की पिता की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। जमीन बेचने की जिद में एक बेटे ने अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात में उसका दोस्त भी शामिल था। मंगलवार की सुबह मृतक की लाश घर की बाड़ी से बरामद हुई, जो खून से लथपथ थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम कठरापाली की है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कठरापाली निवासी नत्थुराम चौहान (62) की लाश मंगलवार सुबह उसके घर की बाड़ी में पड़ी मिली। लाश देखकर परिजन और ग्रामीण सन्न रह गए। बुजुर्ग के गले पर गहरे घाव थे और पूरा शरीर खून से लथपथ था। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुँची पुलिस, हत्या की आशंका खबर मिलते ही धरमजयगढ़ SDOP, घरघोड़ा थाना प्रभारी, पुलिस जवान और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुँचे। घटनास्थल की जांच की गई। प्रारंभिक जाँच में साफ हो गया कि यह हत्या का मामला है। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की। संदेह की सुई मृतक के बेटे मालिकराम चौहान पर गई।

पुलिस ने संदेह के आधार पर मालिकराम को थाने बुलाकर सख्ती से पूछताछ की। तब उसने हत्या की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि वह अपने पिता की जमीन बेचना चाहता था, लेकिन नत्थुराम इसके लिए तैयार नहीं थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद से तंग आकर मालिकराम ने अपने दोस्त सजन अगरिया के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। दोस्त ने बुलाया, बेटे ने किया हमला पूछताछ में सामने आया कि सोमवार रात सजन अगरिया ने नत्थुराम को घर से बाहर बुलाया। जैसे ही नत्थुराम बाड़ी में पहुँचे, तभी घात लगाकर बैठे बेटे मालिकराम ने टांगी से उनके गले पर वार कर दिया। एक ही वार में नत्थुराम वहीं गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद वारदात को छिपाने के लिए दोनों ने बोरवेल पंप का तार काट दिया और टांगी व तार को खेत में फेंक दिया, ताकि घटना चोरी के प्रयास जैसी लगे। पुलिस ने घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए डॉग स्क्वायड की मदद ली। डॉग 'रूबी' ने सीधे जाकर सजन अगरिया को पकड़ लिया। इससे पुलिस का शक पुख्ता हो गया और दोनों से पूछताछ में पूरा सच सामने आ गया।

हत्या का राजफाश होने के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे मालिकराम चौहान और उसके दोस्त सजन अगरिया को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। गाँव में दहशत और गुस्सा इस वारदात से पूरा गाँव सदमे में है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद को लेकर इतना बड़ा कदम उठाना बेहद शर्मनाक है। पिता की हत्या करने वाले बेटे के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। ग्रामीणों ने घटना को इंसानियत के खिलाफ बताते हुए कड़ी सजा की मांग की है। घरघोड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में प्रयुक्त टांगी और बोरवेल पंप का तार बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या का पूरा राजफाश कर दिया है और आरोपियों को जेल भेजा गया है।

गणेश पंडाल में बच्चों के विवाद से हो गया बवाल, 3 घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिरगांव के नागेश्वर नगर में रविवार को बच्चों के मामूली झगड़े ने बड़ा रूप ले लिया। दरअसल, गणेश पंडाल के बाहर 8 से 10 साल के दो बच्चों में विवाद हुआ, जिसका वीडियो एक युवक ने बनाकर सोशल मीडिया पर स्टेटस डाल दिया। इसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई।

आरोप है कि वीडियो बनाने वाले पक्ष ने गाली-गलौज के बाद सामने वाले पक्ष की महिला को डंडे से मार दिया। इसके बाद विवाद और बढ़ गया और दूसरे पक्ष ने वीडियो बनाने वाले युवक के घर में घुसकर उस पर, उसके छोटे भाई

और उसके मामा पर हमला कर दिया। मारपीट में युवक का हाथ टूट गया और पीठ पर गंभीर चोट आई। उसके छोटे भाई के सिर पर गहरी चोट लगी, वहीं मामा के पैर, घुटने और हाथ में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही दोनों पक्ष उरला थाना पहुंचे। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई की। हालांकि, वीडियो बनाने वाले पक्ष को गंभीर चोटें आने के कारण आरोपियों पर धारा 333 भी लगाई गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

बस्तर में शुरू होगा 240 बिस्तरों का हाई-टेक सुपर स्पेशियलिटी तेलंगाना के अस्पताल, कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल से हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संकल्पः आदिवासी अंचलों सहित सभी नागरिकों तक पहुंचे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में बुधवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। बस्तर में 200 करोड़ की लागत से 240 बिस्तरों का हाईटेक अस्पताल बनेगा। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ और कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल तेलंगाना के बीच लाइसेंस समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत किया गया है। इस अवसर पर वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. प्रियंका शुक्ला, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के अधिकारी जयदीप दास गुप्ता एवं श्रीनिवास राव तथा कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. गुरुनाथ रेड्डी, डॉ. रघुनाथ रेड्डी और केवी रेड्डी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के हर नागरिक को मिले विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आदिवासी अंचलों सहित प्रदेश के हर नागरिक तक विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचे। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पूर्व इस अस्पताल के निर्माण की शुरुआत की गई थी और आज जब छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती मना रहा है, तब इस एमओयू का होना ऐतिहासिक महत्व रखता है। गणेश महोत्सव के पावन अवसर पर हुआ यह समझौता प्रदेशवासियों के लिए शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बस्तर क्षेत्र के लोग लंबे समय से उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रहे हैं, किंतु अब यह अस्पताल उनके लिए वरदान साबित होगा। विशेषकर नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों के लिए यह जीवनरक्षक सिद्ध होगा। पहले घायल जवानों को एयर एंबुलेंस से रायपुर भेजना पड़ता था, अब जगदलपुर में ही उन्हें अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध होगा।

10 मंजिला इमारत, मिलेंगी सारी सुविधाएं

यह 10 मंजिला अस्पताल 240 बिस्तरों की क्षमता वाला होगा। इसमें हृदय रोग (कार्डियोलॉजी), किडनी रोग (नेफ्रोलॉजी), मस्तिष्क रोग एवं न्यूरो सर्जरी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी जैसे विभाग संचालित होंगे। ओपीडी, आईसीयू और आपातकालीन सेवाओं सहित गहन चिकित्सा की अत्याधुनिक सुविधाएँ यहाँ उपलब्ध होंगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम सरकारी दर पर उपचार प्रदान करेगी। सरकारी दर पर उपलब्ध इन सेवाओं का लाभ न केवल बस्तर संभाग बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देशभर के मरीज उठा सकेंगे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल प्रबंधन के प्रतिनिधियों ने इस ऐतिहासिक पहल को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया। इससे बस्तर अंचल के लाखों लोगों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा और बड़े शहरों पर उनकी निर्भरता कम होगी। यह अस्पताल न केवल बस्तर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के मरीजों के लिए नई आशा और जीवनदायी सुविधा साबित होगा।

बस्तर अंचल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल गर्व की बात

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें। बस्तर अंचल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना राज्य और क्षेत्रवासियों के लिए गर्व की बात है। पहले ये सेवाएँ केवल रायपुर और बिलासपुर जैसे बड़े शहरों में उपलब्ध थीं, लेकिन अब बस्तर के लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए हर संभव संसाधन उपलब्ध कराएगा। स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने जानकारी दी कि इस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण पर 200 करोड़ रुपये की लागत आई है, जिसमें से 120 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 80 करोड़ रुपये राज्य सरकार ने वहन किए हैं। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने भी इस परियोजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल 11 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और अत्याधुनिक मशीनों एवं उपकरणों से सुसज्जित है।

लोक परंपराएं एवं संस्कृति समाज को जोड़ने का बेहतर माध्यमः सीएम विष्णुदेव साय

महिलाएँ हर क्षेत्र में कर रही प्रदेश का नाम रोशनः विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सावन-भादो में छत्तीसगढ़ की धरती पर पारंपरिक उत्सवों का विशेष महत्व रहता है। इसी क्रम में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के निवास में तीजा मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा, गीत-संगीत और लोकनृत्य की अनूठी छटा देखने को मिली। महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर लोकगीतों की मधुर धुनों से वातावरण को उल्लासमय बना रही थीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीजा मिलन को समाज की एकता और संस्कृति की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आस्था और विश्वास का पर्व है। महिलाएँ इस दिन पति की लंबी आयु और परिवार की समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। हमारी लोकपरंपराएँ समाज को जोड़ती हैं और यही हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कजली एकादशी जैसे पर्व केवल धार्मिक महत्व नहीं रखते, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देते हैं। उन्होंने राज्य के विकास की दिशा में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की भावना को मार्गदर्शक बताया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान लोक संस्कृति एवं त्योहारों से होती है। यहाँ की महिलाएँ न केवल परिवार और समाज को संवार रही हैं, बल्कि शिक्षा, राजनीति, सेवा और हर क्षेत्र में योगदान देकर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को संस्कृति की संरक्षक बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज तीजा मिलन समारोह में प्रदेश की संस्कृति और परंपरा के रंगों का संगम देखने को मिला। पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं मायका में उपवास करती है। महिलाओं को मायका से जुड़ी यादों को तरोताजा करने का पर्व होता है।

तीजा मिलन कार्यक्रम में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन परोसे गए। लोकनृत्य और गीतों ने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। महिलाएँ एक-दूसरे को तीजा की बधाइयाँ देती रहीं। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएँ आज भी समाज के ताने-बाने को मजबूती प्रदान कर रही हैं। तीजा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है।

कार्यक्रम में मंत्रिमंडल के सदस्य आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सांसद रूप कुमारी चौधरी, कमलेश जांगड़े और विधायक अनुज शर्मा, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं को तीजा की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

केन्द्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले का छत्तीसगढ़ प्रवास

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंचे। उन्होंने राज्य अतिथि गृह पहुना में छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में अठावले ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन हितैषी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ बनाने तथा समाज के वंचित वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति योजनाएँ, कौशल विकास कार्यक्रम और स्वरोजगार सहायता योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव तारण प्रकाश सिन्हा एवं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, समाज कल्याण संचालक रोक्तिमा यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

केन्द्रीय मंत्री अठावले ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। छत्तीसगढ़ सहित देशभर में योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी है।

छत्तीसगढ़ जीरो पावर कट स्टेट से अब मुफ्त बिजली की ओरःमुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में संयुक्त पावर कंपनीज मुख्यालय भवन की रखी आधारशिला, एक पेड़ माँ के नाम अभियान में किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के संयुक्त मुख्यालय भवन का शिलान्यास किया। रजत जयंती वर्ष और गणेशोत्सव जैसे पावन अवसर पर सम्पन्न इस समारोह में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और भवन का थ्री-डी मॉडल अनावृत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भवन अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता को नई ऊँचाई देगा, तीनों पावर कंपनियों के बीच समन्वय को मजबूत करेगा और उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे सभी सेवाएँ उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मौलश्री पौधरोपण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षीय यात्रा यह प्रमाण है कि जब संकल्प और संवेदनशीलता साथ चलें तो परिणाम ऐतिहासिक होते हैं। वर्ष 2000 में प्रदेश केवल 1400 मेगावाट बिजली उत्पादन करता था, आज यह क्षमता बढ़कर 30 हजार मेगावाट हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में 1320 मेगावाट क्षमता के नए संयंत्र का शुभारंभ इस उपलब्धि को और सुदृढ़ करने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह प्रगति हर नागरिक के विश्वास, मेहनत और भागीदारी का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न उनकी जापान और दक्षिण कोरिया यात्रा ने यह अनुभव कराया कि छत्तीसगढ़ अब वैश्विक स्तर की अधोसंरचना और कार्यसंस्कृति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। संयुक्त मुख्यालय भवन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन का निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि यह ऊर्जा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बने। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई उद्योग नीति के अंतर्गत पावर सेक्टर में हाल ही में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में 30 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल प्रदेशवासियों को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराएगी बल्कि पड़ोसी राज्यों की ज़रूरतें भी पूरी करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने छत्तीसगढ़ को मुफ्त बिजली की ओर तेजी से अग्रसर कर दिया है और अब दूरस्थ अंचलों तक इस योजना का लाभ पहुँच रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को राज्य निर्माण में उनके योगदान के लिए नमन किया। उन्होंने कहा कि लगभग 270 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन ग्रीन एनर्जी आधारित होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संयुक्त मुख्यालय भवन 10,017 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में नौ मंजिला स्वरूप में निर्मित होगा। इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड और पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए तीन अलग-अलग टॉवर होंगे।

1300 कर्मचारियों की क्षमता वाले इस भवन में 210 सीटों का प्रेक्षागृह, कर्मचारियों के लिए जिम, दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग, मैकेनिकल स्टैक पार्किंग और ई-व्हीकल चार्जिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। यह भवन बीईई की पाँच सितारा और गृहा की फाइव स्टार ग्रीन रेटिंग मानकों के अनुरूप निर्मित होगा तथा भवन प्रबंधन प्रणाली से इसका संपूर्ण संचालन होगा। नवा रायपुर में बन रहा यह अत्याधुनिक भवन मंत्रालय, संचालनालय और पुलिस मुख्यालय के समीप होने से अंतर्विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ करेगा तथा प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊँचाई प्रदान करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950